सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 11 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में दूर होगी शिक्षकों की कमी, 5000 पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग ने दी सहमति

छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और बड़ा कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा पर अमल करते हुए राज्य शासन के वित्त विभाग ने शुक्रवार को 5000 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की सहमति दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री साय की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने प्रदेश के शैक्षणिक ढांचे को मज़बूत बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य की प्रगति की नींव होती है, और छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चे तक ज्ञान और अवसर दोनों पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह भर्ती न केवल शिक्षण व्यवस्था को गति देगी बल्कि युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी सृजित करेगी। मुख्यमंत्री साय ने वित्त विभाग द्वारा दी गई सहमति को 'नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम' बताया। 5000 पदों हेतु शिक्षा विभाग शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करेगा। इन पदों की पूर्ति से ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर होगी, जिससे शिक्षण की निरंतरता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

राज्य शासन ने पिछले कुछ महीनों में शिक्षा सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। विद्यालय भवनों के निर्माण, डिजिटल शिक्षा सामग्री के प्रसार, और शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में शिक्षकों की कमी लंबे समय से एक प्रमुख चुनौती रही है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता सीमित थी। नई भर्ती से इन क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे बच्चों को अब अपने ही गाँव और क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, यह पहल प्रदेश में शिक्षण के स्तर को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाने में सहायक सिद्ध होगी।

शिक्षा के क्षेत्र में सरकार कर रही निवेश

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा को सर्वांगीण विकास का आधार मानते हुए लगातार निवेश कर रही है। स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण से लेकर छात्रवृत्ति, मध्याह्न भोजन और छात्र हितैषी योजनाओं तक, सरकार का फोकस हर स्तर पर शिक्षा के दायरे को व्यापक बनाना है। शिक्षकों की यह नई भर्ती उसी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा है, जो 'विकसित छत्तीसगढ़' के विज़न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। इस निर्णय से जहाँ शिक्षा प्रणाली को नई ऊर्जा मिलेगी, वहीं हजारों युवाओं के सपनों को साकार करने का मार्ग भी खुलेगा। यह पहल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 'शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़' की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगी।

ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में बढ़ेगी पढ़ाई की गुणवत्ता

" मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की मंशा के अनुरूप शिक्षा को राज्य की शीर्ष प्राथमिकता बनाया गया है। वित्त विभाग द्वारा 5000 शिक्षकों के पदों की भर्ती की सहमति देना इसी संकल्प का हिस्सा है। शिक्षा में किया गया प्रत्येक निवेश प्रदेश के भविष्य में किया गया निवेश है। इस निर्णय से स्कूलों में शिक्षकों की कमी पूरी होगी, ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ेगी और हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र को संसाधन उपलब्ध कराना हमारी सरकार की जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता दोनों है।

-ओपी चौधरी, वित्त मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

शिक्षा राज्य के विकास की सबसे सशक्त आधारशिला

" शिक्षा राज्य के विकास की सबसे सशक्त आधारशिला है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और हर विद्यालय में योग्य शिक्षक उपलब्ध हों। वित्त विभाग द्वारा 5000 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की सहमति उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह निर्णय न केवल शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त करेगा, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा।

-विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन

शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी

" शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। मंत्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्राथमिकता हमेशा से ही गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा सुनिश्चित करना रही है। शिक्षकों की कमी लंबे समय से शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही थी, ऐसे में यह भर्ती न केवल स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के हजारों नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया।

- गजेन्द्र यादव, स्कूल शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

खास-खबर

7 आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर, अंकिता शर्मा राजनांदगांव एसपी बनीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। गृह विभाग ने 4 जिलों के पुलिस अधीक्षकों समेत 7 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर आदेश जारी किए हैं। गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने ट्रांसफर ऑर्डर जारी किया है।

आदेश के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग को राजनांदगांव से पीएचक्यू पुलिस मुख्यालय (मुख्यालय अटैच) किया गया है। वहीं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के एसपी आईपीएस चंद्रमोहन सिंह को दमकल-नगर सेना का डायरेक्टर बनाया गया है। इसी तरह से सक्ती जिले की एसपी अंकिता शर्मा को राजनांदगांव का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं रतना सिंह को मनेंद्रगढ़ जिले का एसपी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा प्रफुल्ल ठाकुर को सक्ती जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंकज चंद्रा अब कोंडागांव जिले के नए एसपी होंगे। गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी अधिकारी तुरंत पदभार ग्रहण करें और इसकी सूचना विभाग को भेजें।

यात्रियों को सुविधा देने के मामले में रायपुर-एयरपोर्ट देश में 8वें स्थान पर

रायपुर। राजधानी रायपुर का स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट यात्रियों को सुविधा देने के मामले में 8वें स्थान पर है। एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी सर्वे 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की रिपोर्ट में देश के टॉप-10 एयरपोर्ट्स में रायपुर एयरपोर्ट ने 8वां स्थान हासिल किया है। पिछले साल भी इसी अवधि में रायपुर एयरपोर्ट 8वें स्थान पर था। सर्वे में यात्रियों से 33 बिंदुओं पर फीडबैक लिया जाता है, जिसमें टर्मिनल, साफ-सफाई, पानी, बैठने की व्यवस्था, फूड स्टॉल, यात्री सुविधाएं और कर्मचारियों का व्यवहार शामिल हैं। सर्वे में तकनीकी और आधारभूत सुविधाओं का भी मूल्यांकन किया जाता है, जैसे कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, साइनबोर्ड, टर्मिनल भवन में चलने की दूरी, चेकिंग काउंटर, पार्किंग क्षेत्र, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। रायपुर एयरपोर्ट से हर हफ्ते औसतन 20-25 हजार यात्री आते और जाते हैं।

बीजापुर में नक्सलियों ने की मामा-भांजे की हत्या

बीजापुर। जिले में माओवादियों ने 2 ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। नेलाकांकेर गांव में शुक्रवार (24 अक्टूबर) रात को नक्सलियों ने 2 युवकों को घर से बाहर बुलाया और मार डाला। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे और पड़ोसी हैं। मामला उसूर थाना क्षेत्र का है।

मृतकों की पहचान रवि कट्टम (25 वर्ष) और तिरुपति सोढ़ी (38 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक तिरुपति का भाई सीआरपीएफ में जवान है। पुलिस ने आशंका जताई है कि माओवादियों ने बदले की भावना से इस वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलते ही उसूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल, पुलिस और सुरक्षाबल आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

आंध्र वासियों ने धूमधाम से मनाई नागुला चविति नागपूजा कर संतान के दीर्घायू की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण भारत का प्रमुख पर्व नागुला चविति का पर्व भिलाई नगर में धूमधाम से मनाया गया। शनिवार को भिलाई शहर में सांप की बांबियों के पास विधिवत पूजा अर्चना की गई। संतान की दीर्घायू की कामना के साथ महिलाओं ने व्रत रखा और फल, दूध, देशी मुर्गी काअंडे व पकवानों का भोग नाग देवता को चढ़ाया गया। इस दौरान भिलाई शहर में जगह जगह सांप की बांबियों के पास पूजा की गई। इस दौरान बच्चों ने आतिशबाजी भी की।

बता दें नागुला चविति दक्षिण भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है जो हर साल कार्तिक मास की चतुर्थी तिथि यानि दिवाली के चौथे दिन मनाया जाता है। जिस प्रकार उत्तर भारत व अन्य हिस्सों में नाग पंचमी मनाए जाने की प्रथा है उसी प्रकार दक्षिण भारत में नाग देवता की पूजा का नागुला चविति के रूप में मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं बच्चों की लंबी उम्र और उनकी सेहत के लिए नाग देवता की पूजा करती हैं। विशेषकर नागुल चविति का पर्व आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में धूमधाम से मनाया जाता है।

जानिए नागुला चविति व्रत का महत्व

इस व्रत को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घायु के लिए रखती हैं और नागों को पूजते हुए यह व्रत किया जाता है। मान्योता है कि इस दिन लोग इस विश्वाखस के साथ व्रत करते हैं कि उनकी पूजा नाग देवताओं तक पहुंच जाएगी। इस व्रत को 12 नाग देवताओं को समर्पित किया जाता है। इसमें अनंत, वासुकि और शेषनाग प्रमुख हैं। इस दिन आंध प्रदेश और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारत के कुछ प्रमुख राज्योंअ में जगह-जगह व्रत और अनुष्ठा न किए जाते हैं। लोग यहां नागदेवताओं की मूर्तियां स्था पित करके उनकी पूजा करते हैं। नगुला चविथी का व्रत नवविवाहित महिलाएं भी संतान प्राप्ति के लिए करती हैं। वे घर, मंदिरों, बांबियों में जाकर नाग देवताओं की पूजा करती हैं और उन्हें दूध पिलाती हैं। मान्य ता है कि चीटियों की बांबियों पर नागदेवताओं का भी वास होता है। इसलिए इस दिन लोग चींटियों की बांबियों पर आकर दूध चढ़ाते हैं और मिठाई अर्पित करते हैं। इसके साथ ही ऐसे स्थालनों पर दिए भी जलाए जाते हैं और आतिशबाजी की जाती है।

आधुनिक तकनीक से होगें ड्राईविंग टेस्ट, 8 जिलों में ई-ट्रैक

छत्तीसगढ़ में अब लाइसेंस प्रक्रिया होगी अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों की योग्यता और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए ड्राइविंग टेस्ट और लाइसेंसिंग प्रक्रिया का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। परिवहन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य के 8 जिले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, जगदलपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ और कोरबा में ई-ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक) की स्थापना की जा रही है।

इन आधुनिक ई-ट्रैकों के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी तरीके से लिए जाएंगे। इसका उद्देश्य है कि ड्राइविंग परीक्षण में मानव हस्तक्षेप कम हो, निष्पक्षता बनी रहे और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। ई-ट्रैक प्रणाली में वाहन नियंत्रण, लेन अनुशासन, सिग्नलिंग, गति नियंत्रण और सड़क सुरक्षा से जुड़ी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इसमें लगे डिजिटल सेंसर और कैमरे अभ्यर्थियों की ड्राइविंग क्षमता का सटीक मूल्यांकन करेंगे। इससे लाइसेंस प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होगी तथा पात्र आवेदकों को समय पर सही परिणाम प्राप्त होंगे।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह पहल न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी बल्कि छत्तीसगढ़ को स्मार्ट परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी। सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था राज्य के लोगों के जीवन में सहजता और भरोसा लाएगी। उन्होंने कहा कि यह राज्य में सुरक्षित, स्मार्ट और विश्वसनीय परिवहन व्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

परिवहन सचिव एस प्रकाश ने कहा कि ई-ट्रैक की मदद से योग्य चालकों को प्रमाणित किया जाएगा, जिससे जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा मिलेगा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि इन जिलों में ई-ट्रैक शुरू होने के बाद आवेदक ऑनलाइन आवेदन और अपॉइंटमेंट बुकिंग के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट दे सकेंगे। सफल परीक्षण के बाद उन्हें डिजिटल फीडबैक और लाइसेंस जारी किया जाएगा।

कैफे जा रही आस्ट्रेलिया की दो खिलाडियों के साथ छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के होलकर स्टेडियम में महिला विश्व कप के लिए क्रिकेट मैच हो रहे हैं। इसमें भाग लेने के लिए आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीम रेडिसन होटल में रुकी हुई हैं। होटल से कैफे तक जाने के रास्ते पर आस्ट्रेलिया टीम की दो महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी करने और उन्हें गलत तरीके से छूने का मामला सामने आया है।

पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वह बाइक पर सवार था। दो महिला खिलाड़ी होटल से आधा किलोमीटर दूर स्थित कैफे तक पैदल जा रही थीं। इस बीच बाइक सवार ने दोनों खिलाड़ियों को छू लिया। सहमी महिला खिलाड़ी ने अपने सुरक्षा अधिकारी को सूचना दी। खबर पुलिस तक पहुंची तो छह थानों को अलर्ट कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने आजाद नगर निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया। छेड़छाड़ करने वाले युवक ने जब महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी की तो एक राहगीर ने बाइक सवार का नंबर नोट कर लिया। एक अन्य कार सवार ने पुलिस कंट्रोल रुम को सूचना दी। इसके बाद पुलिस अफसर सक्रिय हुए। इस मामले में इंटेलिजेंस चूक हुई है। होटल के आसपास पर्याप्त सुरक्षा नहीं लगाई गई थी।

सीसीटीवी फुटेज से पहचान हुई

आस्ट्रेलिया की दो खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद पुलिस अफसर सक्रिय हुए। मार्ग के आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखे गए। आरोपी को दोनों महिला क्रिकेटरों ने पहचान लिया। इसके बाद बाइक नंबर के आधार पर उसकी तलाश शुरू की गई। शाम तक पुलिस ने उसकी जन्म कुंडली निकाल ली और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अकील पर पहले भी केस दर्ज हो चुके है। इस घटना की जानकारी क्रिकेट बोर्ड और प्रशासन को भी दी गई। इस घटना के बाद होटल और स्टेडियम में अतिरिक्त सुरक्षा बढ़ाई गई है।

बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के गंभीर दुष्परिणाम

श्रीकंचनपथ

दुनिया भर में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। पीड़ितों में बालक और बालिकाएं दोनों ही शामिल हैं। भारत में भी ऐसे मामले चिंताजनक हैं। भारत में 2023 में 30 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियां और 13 प्रतिशत लड़के 18 साल की उम्र से पहले यौन हिंसा का शिकार हुए। द लैंसेट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, 200 से ज्यादा देशों में बच्चों के खिलाफयौन हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। यह भी सामने आया कि लड़कियों के साथ सबसे ज्यादा यौन हिंसा दक्षिण एशिया में होती है। बांग्लादेश में 9 ।3त्न लड़कियों के प्रति हिंसा होती है, जबकि भारत में यह आंकड़ा 30.8 प्रतिशत तक है। दुनिया भर में औसतन हर 5 में से 1 लड़की और हर 7 में से एक लड़का 18 साल की उम्र से पहले यौन हिंसा का शिकार होता है। अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के हेल्थ मैट्रिक्स और इवैल्युएशन इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने कहा कि सब-सहारा अफ्रीका में 18 साल से कम उम्र के लड़कों के साथ यौन हिंसा के मामले सबसे ज्यादा हैं। यह दर जिम्बाब्वे में लगभग 8त्न और कोट डी आइवर में 28 फीसदी तक पाई गई। बांग्लादेश के मानवाधिकार संगठन आइन-ओ-सालिश केन्द्र द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2025 के पहले सात महीनों में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बच्चों के बलात्कार के मामलों में 75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह दौर बांग्लादेश में राजनीतिक उथल पुथल का रहा है। इस अवधि में बलात्कार की शिकार 306 लड़कियों में से 40 बच्चियां छह साल से कम उम्र की थीं। 94 बच्चियों की उम्र 7 से 12 वर्ष के बीच थी जबकि 103 पीड़िताएं 18 वर्ष से कम आयु की थीं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि परिवारों के भीतर बाल यौन शोषण आम है। मदरसों और छात्रावासों में लड़कों के साथ कुकर्म की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं पर पुलिस में रिपोर्ट नहीं की जाती। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोध में लिखा गया कि बच्चों के साथ यौन हिंसा न सिर्फ उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। बच्चों के मानसिक तनाव, डर और चिंता को बढ़ा सकती हैं, और इसका असर उनके भावी जीवन पर पड़ सकता है। बचपन में यौन हिंसा का शिकार हुए बच्चे आगे चलकर गंभीर यौन अपराधों को जन्म दे सकते हैं। दिल्ली में 2012 में सामने आए निर्भया मामले के बाद दरिन्दगी की तरफलोगों का ध्यान गया। कठोर कानून बने पर अपराधों में कोई कमी नहीं आई। खंडवा (2025), उत्तर प्रदेश के रामपुर (2025), दिल्ली (2024), कोलकाता (2024), उन्नाव (2017), हैदराबाद (2019), हाथरस (2020), मुम्बई शक्ति मिल्स (2013), कठुआ (2018) में दरिन्दगी हुई। इन सभी मामलों में तमाम आरोपियों की पृष्ठभूमि लगभग एक जैसी थी। इसलिए बच्चों के प्रति बढ़ रही यौन हिंसा की खबरों को गंभीरता से लिये जाने की जरूरत है।

संपादकीय

जीएसटी सुधार और भारतीय पर्यटन का नया सवेरा

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल के सुधारों ने इस कहानी को अब बदलना शुरू कर दिया है। वर्षों से, भारत का पर्यटन और आतिथ्य उद्योग एक जटिल कर व्यवस्था के बोझ तले दबा रहा है। सेवा कर, वैट, विलासिता कर जैसे कई तरह के करों ने भ्रम उत्पन्न किया और यात्रा की लागत बढ़ा दी। जीएसटी लागू होने से करों में सरलीकरण तो हुआ था, लेकिन हाल ही में दरों का युक्तिसंगत बनाया जाना भारतीय पर्यटन को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

> भारत में पर्यटन का अर्थ हमेशा ही मनोरंजन से कहीं बढ़ कर रहा है — यह सभ्यताओं के बीच संवाद, विरासत का वाहक और समावेशी विकास का उत्प्रेरक है। फिर भी, दशकों से, लद्दाख के मठों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तटों तक, हमारी अद्वितीय विविधता के बावजूद, इसकी पूरी क्षमता का दोहन करों के अलग-अलग ढांचे और उच्च लागत के कारण नहीं हो पाया है।

होटल के 7,500 रुपये से कम शुल्क वाले कमरों पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है। मध्यम वर्गीय परिवार और कम खर्च में यात्रा करने वाले लोग, जो घरेलू पर्यटन की रीढ़ हैं, उनके लिए यात्रा अब अधिक किफायती हो गई है। उच्च अधिभोग दर, लंबे समय तक प्रवास और स्थानीय स्तर पर अधिक खर्च इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। कम अनुपालन लागत से छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए लाभप्रदता में सुधार हुआ है और औपचारिकता को बढ़ावा मिला है। यह पर्यटन के विस्तार और स्थायित्व की दिशा में शांत लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव है।

पर्यटन कनेक्टिविटी के बल पर फलता-फूलता है। यात्री परिवहन पर, खासकर दस से ज़्यादा यात्रियों वाली बसों पर जीएसटी दर का 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर-शहरी और समूह यात्राएँ ज़्यादा सुलभ हो गई हैं। हेरिटेज सर्किट, इको-टूरिज्म पार्क और ग्रामीण पर्यटन स्थलों में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। यह सुधार सस्ते टिकटों की उपलब्धता से कहीं बढ़कर है—यह क्षेत्रों को जोड़ने, यात्रा को सबके लिए सुलभ बनाने और छोटे टूर ऑपरेटरों को अपना कारोबार बढ़ाने का अवसर देने से संबंधित है। भारत के लिए, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता का एक सशक्त माध्यम है, वहीं किफायती यात्रा आर्थिक सशक्तिकरण का आधार है। भारत का आकर्षण केवल उसके स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीवंत परंपराओं में भी निहित है। कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से उस क्षेत्र को बढ़ावा मिला है जो लाखों कारीगरों के जीवनयापन का आधार है। स्थानीय बाज़ार में बिकने वाली हर हस्तनिर्मित कलाकृतियों पर भारत की सांस्कृतिक निरंतरता की छाप होती है। करों में कमी किया जाना यहाँ महज़ आर्थिक पहल भर नहीं है—यह एक सांस्कृतिक निवेश है। आज पर्यटक प्रामाणिकता की तलाश में रहते हैं और जब वे हाथ से बुनी कांचीपुरम की साड़ी या चंदन की नक्काशीदार मूर्ति घर ले जाते हैं, तो वे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा अपने साथ ले जाते हैं। यह सुधार कारीगरों को सशक्त बनाता है, शिल्प समूहों को मज़बूत बनाता है और विरासत को विकास की कहानी का हिस्सा बनाता है। संभवत जीएसटी का सबसे स्थायी लाभ स्पष्टता है। छोटे होटल, होमस्टे और ट्रैवल एजेंसियाँ अब राज्य-विशिष्ट करों की भूलभुलैया के बजाय एक ही निर्धारित ढाँचे के भीतर काम करती हैं। इससे अनुपालन में सुधार होता है, निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और नवाचार के लिए जगह बनती है। औपचारिकीकरण उन हज़ारों छोटे ऑपरेटरों के लिए ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान तक पहुँच भी बनाता है, जो कभी अनौपचारिक रूप से काम किया करते थे। एक ऐसा क्षेत्र, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक महिलाओं और युवाओं को रोजगार देता है, यह एकीकरण परिवर्तनकारी है। पर्यटन अब केवल फुर्सत के क्षणों में आनंद उठाने से संबंधित उद्योग मात्र ही नहीं रह गया है, बल्कि उद्यमिता और आजीविका का प्रेरक भी बन चुका है। वैश्विक स्तर पर, पर्यटक किस जगह की यात्रा करेंगे, यह वहाँ की मूल्य की प्रतिस्पर्धात्मकता पर निर्भर करता है। वर्षों से, भारत थाईलैंड और वियतनाम जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्यों से पीछे रहा है, जहाँ होटलों के कर की दर कम थी और शुल्क सरल थे। हाल ही में जीएसटी में बदलाव ने इस अंतर को कम कर दिया है। भारत अब वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी दरों पर—आयुर्वेदिक रिट्रीट से लेकर हेरिटेज होटल तक— विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है।

झींगा से लेकर सॉफ्टवेयर तक-नए व्यापार समझौते से भारत के लिए बड़ा बाजार खुला

पीयूष गोयल

भारत ने समृद्धि का एक और दरवाजा खोल दिया है। उसने प्रति व्यक्ति 100,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक आय वाले यूरोपीय देशों के एक धनी समूह के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे भारतीय किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक आकर्षक बाजार में पहुंचने का रास्ता खुल गया है और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को पर्याप्त गति मिलेगी।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) - स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन - के साथ हुआ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) ऐतिहासिक है। यह समझौता 1 अक्टूबर को शुभ नवरात्रि के दौरान लागू हुआ। ईएफ्टीए के सदस्य देशों ने 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का संकल्प लिया है - जो दुनिया में किसी भी व्यापार समझौते में जतायी गई पहली ऐसी प्रतिबद्धता है। इस समझौते के जरिए, ईएफ्टीए के सदस्य देशों की सरकारें भारत में निवेश को बढ़ावा देंगी, कम से कम दस लाख रोजगार सृजित करेंगी और प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति प्रदान करेंगी।

विकसित भारत हेतु व्यापार की रणनीति

मोदी सरकार ने अतीत की झिझक को छोड़कर मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अपनाया है। ये समझौते हमारे उत्पादों और सेवाओं को प्रीमियम एवं विकसित बाजारों में पहुंचाते हैं। ये समझौते न सिर्फनए दरवाजे खोलते हैं, बल्कि हमारे उद्योगों को सशक्त बनाते तथा हमें आगे बढ़ने में मदद करने वाले प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता का संचार भी करते हैं। भारत ने जहां जुलाई 2025 में यूनाइटेड किंगडम के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया, वहीं यूरोपीय संघ के साथ बातचीत भी अच्छी तरह आगे बढ़ी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक प्रयासों से ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ दोनों पक्षों के लिए लाभदायक समझौते हुए। प्रतिस्पर्धा के बीच आगे बढ़ते हुए वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ने के आत्मविश्वास से भरा हुआ, भारतीय उद्योग जगत आज बुलंदियों पर खड़ा है। यूपीए शासन के दौरान किए गए जल्दबाजी भरे सौदों के उलट, गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए मोदी-युग के हर मुक्त व्यापार समझौते का उद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों ने खुले दिल से स्वागत किया है। यूपीए शासन के सौदे बिना किसी जानकारी के और अक्सर उन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ किए गए थे, जिन्हें हमारे बाजारों तक पहुंच तो मिली, लेकिन उन्होंने अपने दरवाजे पर्याप्त रूप से नहीं खोले।

भारत को आकर्षक बनाना

यह बदलाव 11 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी अर्थव्यवस्था को नाजुक पांच के तमगे से उबारकर इसे व्यापार एवं पूंजी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बनाया। मोदी सरकार ने बुनियादी सुधारों के जरिए विरासत में मिली समस्याओं, गतिरोध, उच्च मुद्रास्फीति, भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को दूर किया। अकेले उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने मार्च 2025 तक कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 12 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति एवं राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति ने लागत में कमी की है और बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित किया है। हमारी डिजिटल रीढ़ - जन-धन, यूपीआई और ट्रेड कनेक्ट - ने अवसरों का लोकतंत्रीकरण किया है और छह वर्षों में कुल 12,000 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 65,000 करोड़ लेनदेन को संभव बनाया है। इससे वंचित वर्ग अब वित्तीय मुख्यधारा में आ गया है।

निवेश और रोजगार सृजन

अब, ईएफटीए के 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश से दस लाख प्रत्यक्ष और अनगिनत अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का वादा किया गया है। यह निवेश पिछले 25 वर्षों में इन देशों से प्राप्त मात्र 11.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से कहीं अधिक बड़ा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई 81 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ, जोकि 14 प्रतिशत की वृद्धि है, वास्तविक प्रवाह जतायी गई प्रतिबद्धताओं को पीछे छोड़ सकता है। इसका श्रेय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में मौजूद अवसरों और मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कानूनों को जाता है, जिनका प्रभावी ढंग से पालन किया जाता है। टीईपीए प्रवर्तन एवं सुव्यवस्थित सुरक्षा उपायों के मामले में बेहतर सहयोग के जरिए आईपीआर को मजबूत करता है, नवोन्मेषकों को सशक्त बनाता है और ठोस नियामक संबंधी निश्चितता के बीच उच्च-तकनीक से संबंधित पूंजी को आकर्षित करता है।

किसान और मछुआरे

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के अलावा, वस्त्र तथा रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र से जुड़े निर्यात में भी तेजी आएगी। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ईएफटीए के समृद्ध उपभोक्ता हमारे कृषि उत्पादों, चाय और कॉफी के लिए लालायित रहते हैं। भारत ने जहां डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है, वहीं चावल, ग्वार गम, दालें, अंगूर, आम, सब्जियां, बाजरा और काजू के व्यापार को अवसर प्रदान किए हैं। बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, चॉकलेट और सॉस जैसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर शुल्क में कटौती से यह सौदा और भी बेहतर हो गया है। मछुआरे इस बात से खुश हैं कि निर्बाध मानक सहयोग के जरिए फ्रोजन झींगा, प्रॉन्स और स्क्विड का निर्यात बढ़ेगा।

आकांक्षी भारतीय

टीईपीए द्वारा नर्सिंग, अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर के क्षेत्र में पारस्परिक मान्यता से संबंधित समझौतों का मार्ग प्रशस्त होने से इन सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारतीय पेशेवरों के लिए ईएफ्टीए में प्रवेश आसान हो जाएगा। सक्रिय नियामक वार्ताओं के जरिए तकनीकी बाधाओं के कम होने से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), व्यवसाय, सांस्कृतिक, मनोरंजन, शिक्षा और दृश्य-श्रव्य सेवाओं के लिए द्वार खुलेंगे।

बाधाओं की समाप्ति

टीईपीए टैरिफ से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, पशु एवं पादप स्वास्थ्य, उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में निष्पक्ष व पारदर्शी नियम तैयार करता है। स्पष्ट सूचना साझाकरण, सत्यापन, आयात संबंधी जांच एवं प्रमाणन इन्हें व्यापार से संबंधित मकड़जाल बनने से रोकते हैं, भारतीय वस्तुओं के लिए ईएफ्टीए तक पहुंचने का मार्ग सुगम बनाते हैं और साथ ही उद्योग जगत को घरेलू मानकों को ऊंचा उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारे किसान और उत्पादक सुरक्षित निर्यात, कीट-मुक्त उत्पाद, वैश्विक स्तर के मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करेंगे, जिससे घरेलू गुणवत्ता भी बढ़ेगी। बेहतर जांच और अनुपालन का अर्थ है प्रत्येक भारतीय परिवार के लिए स्वास्थ्यवर्धक भोजन और विश्वसनीय उत्पाद।

बेहतर भविष्य

ये समझौते निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं और आम नागरिकों के बीच उत्साह जगाते हैं, जो गहरे आर्थिक संबंधों के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले वैश्विक उत्पादों का आनंद लेते हैं। टीईपीए अपने मूल में स्थिरता को समाहित करता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले व्यापार को बढ़ावा देता है, गरीबी से लड़ता है और हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है। पेरिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मूल सिद्धांतों की पुष्टि करते हुए, यह जलवायु संबंधी कार्रवाई, लैंगिक समानता तथा जैव विविधता संरक्षण से संबंधित सहयोग को बढ़ावा देता है और उचित वेतन, सुरक्षित रोजगार एवं एक हरी-भरी धरती सुनिश्चित करता है। हरित प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं सहयोग के जरिए, यह श्रमिकों का उत्थान करता है, असमानता को कम करता है और हमारे बच्चों के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है। मोदी के भारत में जन्मे बच्चे को घर पर भी उतने ही अवसर मिलते हैं, जितने कि आल्प्स की पहाड़ियों वाली भूमि, आग एवं बर्फ वाली भूमि या फिर मध्यरात्रि के सूर्य वाली भूमि में!

भारत की नियति में अलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय ङ्क आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय के साथ और एकजुट होकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है, जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

एसओपी तैयार किया जाना बेहद जरूरी

तमिलनाडु के करूर जिले में एक रैली में भगदड़ मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे।

कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर

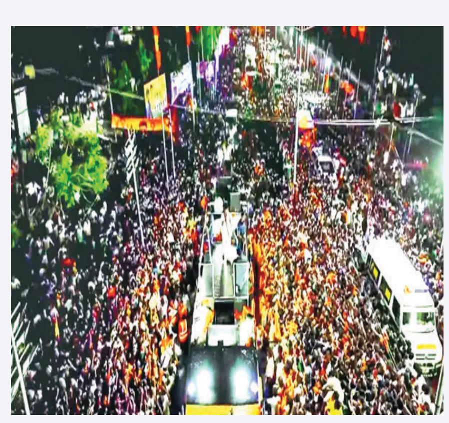

नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़ के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से।

कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गईं। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है।

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़ न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़ बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़ के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

मोदी-भाजपा-संघ की यह आखिरी देन तय

हरिशंकर व्यास

सोचें, भारत में सामाजिक (हिंदू) समरसता का कौन सा मॉडल प्रदेश है? मेरा मानना है मध्य प्रदेश! और वहां अभी क्या हल्ला हुआ? भाजपा ने ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ा कर 27 प्रतिशत करने के कमलनाथ सरकार के पुराने फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद की है कि कांग्रेस कई वर्षों तक सत्ता में रही लेकिन उसने किसी वर्ग के साथ न्याय नहीं किया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है और हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। हमें उम्मीद है कि अदालत मध्यप्रदेश में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देगी। अर्थात भाजपा/संघ परिवार/ मोहन यादव सरकार राज्य की ओबीसी (51 प्रतिशत), अनुसूचित जाति (एससी) 15.6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) 21.1 प्रतिशत के तीनों वर्गों की राज्य में कथित 87 प्रतिशत आबादी के अनुपात में आगे आरक्षण का झुनझुना रोडमैप सोचे हुए है।

और यह सब मोदी सरकार की 11 वर्षों की राजनीति का नतीजा है। जैसे भी हो सत्ता बनाए रखने की जिद् की इस राजनीति ने कांग्रेस और राहुल गांधी को यदि जितनी आबादी, उतना हक़ के एजेंडे की ओर धकेला है तो सुप्रीम कोर्ट तथा जनगणना से भाजपा हिंदू समाज को आगे और बिखेरने वाली है।

कैसे? मोदी सरकार 2027 में जनगणना कराएगी। अंग्रेजों की कराई 1931 की जाति जनगणना के लगभग सौ साल बाद स्वतंत्र भारत की पहली बार फिर जाति जनगणना होगी। यह जनगणना जाति के साथ उपजाति, पिछड़े, अतिपिछड़े जैसे अलग-अलग समूहों के खांचों में होगी। जैसे कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार लिंगायतों को बांटने, हिंदू धर्म से उन्हें अलग करने, लिंगायत के भीतर लिंगायत बनाम वीरशैव का झगड़ा बनाने की कोशिश में है वैसे ही अगली जनगणना में पिछड़ों में अति पिछड़ों का वर्गीकरण भी बनेगा। मतलब अति पिछड़ों के वर्गीकरण में यदि हिंदू जाट की उपजातियों जैसे बैंस, भुल्लर, अटवाल आदि की आर्थिक हैसियत के आगे पिछड़े, अति पिछड़े जाट के समूह बने तो आश्चर्य नहीं होगा! क्योंकि जाति जनगणना के पीछे एकमेव मंत्र 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले हिंदुओं को इतना और बांटना है कि मोदी नए वर्ण विभाजन के फार्मूलों में योजना, स्कीम बना कर लोगों के खाते में पैसे डालने के नए फैसले ले सकें, जिससे वोट पके। मतलब ताजा बिहार मॉडल की तरह 2029 में अखिल भारतीय स्तर पर बांटो, लडाओ (जातीय पहचान-हक-आरक्षण की भूख में) के साथ स्कीमों व आरक्षण के जरिए वोट पटाने का महाअभियान! मतलब राहुल गांधी, कांग्रेस, तेजस्वी याकि जातीय-क्षेत्रिय राजनीति के धुरंधरों की पिछड़ा-दलित-आदिवासी राजनीति को जनगणना और उसके बाई प्रोडक्ट की योजनाओं-घोषणाओं-झांसों के महाप्रोपेगेंडा से खारिज करा देना।

भयावह सिनेरियो है। मगर अंग्रेजों ने जैसे 1905 में बंग-भंग से बीज बो कर 1947 में हिंदू-मुस्लिम विभाजन तय कराया वैसे नरेंद्र मोदी दिल्ली के वे आखिरी हिंदू शासक संभावी हैं, जिनकी जातीय जनगणना और जातीय आरक्षण की आग में हिंदू राष्ट्रवाद वैसे ही मिट्टी में मिलेगा देने जैसे पृथ्वीराज चौहान के आखिरी शासन की आखिरी हिंदू सत्ता थी! विदेशी गुलामी से पहले की!

सोचें, हिंदू मोदी राज में कैसा-क्या है? आरक्षण व्यवस्था लागू होने के 75 वर्ष बाद भारत का दलित चीफ जस्टिस, दलित आईपीएस एडीजीपी, एक दलित कांस्टेबल की हालिया प्रतिनिधि घटनाओं, व्यवहार, अनुभव से क्या यह नहीं मालूम होता कि आरक्षण व्यवस्था पूरी तरह फेल है! इसने हिंदू समाज में समानता की बजाय समरसता, परस्पर मान-सम्मान, सद्भावपूर्ण व्यवहार को न केवल और खराब किया है, बल्कि जातीय पूर्वाग्रहों, वैमनस्य, दुराव, नीचताओं की हद पार करा दी है।

सचमुच हर हिंदू को जितनी आबादी, उतना हक़ का सामाजिक न्याय चाहने वालों को अवश्य हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस एडीजीपी पुरण कुमार के सुसाइड नोट तथा घटना के बाद उनकी पत्नी आईएएस अधिकारी अनमित कुमार की शिकायत-एफआईआर को पढ़ना चाहिए। समझ आएगा कि आरक्षण की व्यवस्था ने हिंदू समाज को मानसिक उत्पीडन की भट्ठी बना दिया है। पूरा समाज, पूरी आबादी जल रही है, खोखला गई है। जिसे आरक्षण मिला और जिसे नहीं मिला, सभी भूख, उत्पीडन, जलालत, भेदभाव की भट्ठी में जलते हुए है। सोचें, भारत के चीफ जस्टिस गवई पर! भारत राष्ट्र की सत्ता-व्यवस्था के एक स्तंभ न्यायपालिका के प्रमुख। वे आरक्षण से नहीं बने। पर आरक्षण से चिन्हित हुई जाति के वे पर्याय दलित हैं तो उन पर जूता फेंकना सोशल मीडिया में आज तर्कसंगत व प्रशंसनीय है या फिर हिंदू धर्म को गालियां हैं तो सत्य क्या जाहिर? पूरा समाज ही आरक्षण से मानसिक रोगी है। सोचें, तब भारत राष्ट्र-राज्य कैसा रोगी, खोखला, अशक्त और असहाय है!

इसे नई ऊंचाईयां मोदी राज से हैं। नरेंद्र मोदी से पहले तक कांग्रेस, भाजपा, लेफ्ट के राष्ट्रीय राजनीति के नैरेटिव में मंडल-कमंडल दोनों सीमाबद्ध थे। पर अब यदि राहुल गांधी का जितनी आबादी, उतना हक़ का पागलपन है तो वजह मोदी-शाह द्वारा जात राजनीति, पिछड़ावाद से वोट प्रबंधन हैं। मोदी सरकार ने पूरी राजनीति को ही जब धर्म, जात, पैसे और लोगों को गंवार बनाने के प्रोपेगेंडा की फैक्टरी में कनवर्ट कर दिया है तो विपक्ष क्या करेगा? यह नोट रखें कि जो दिशा है उसमें मोदी सरकार सुप्रीम कोर्ट से आरक्षण की सीमा 75-84 प्रतिशत (मतलब जितनी आबादी, उतना हक़) बढ़वा देगी। वही जातीय जनगणना के बाद फिर 2029 के चुनाव में प्राइवेट क्षेत्र में आरक्षण लागू कराने का वादा होगा! इसलिए क्योंकि चुनाव किसी भी सूरत में जीतना है। फिर यों भी भारत को आगे बुद्धि, काबलियत की जरूरत नहीं है। अमेरिकी कंपनियों की एआई (कृत्रिम बुद्धि-काबलियत) से ही भारत चलना है।सो मोदी-भाजपा-संघ की यह आखिरी देन तय है जो भारत हर तरह से गुलाम, अक्षम, नाकाबिल और पूरी तरह से जातियों-धर्म की जिद् में लड़ता-झगड़ता-मनोरोगी होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

कलेक्टर ने छठ पर्व, पीएम आवास एवं राज्योत्सव के संबंध में ली अधिकारियों की बैठक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकाय और जनपद पंचायत के अधिकारियों की बैठक में छठ पर्व की तैयारी, पीएम आवास हेतु राशि आवंटन और राज्योत्सव के तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने आगामी छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए सभी नगरीय निकायों में तालाबों की साफ-सफाई करने और छठ घाट पर प्रकाश आदि की समुचित प्रबंध करने अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि पीएम आवास योजना अंतर्गत मैपिंग कर एफटीओ राशि 31 अक्टूबर तक जारी हो जाए, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। नगरीय निकायों में पात्र हितग्राही पीएम आवास से वंचित न हो, इस हेतु डोर-टू-डोर सर्वे कर पूरक प्रस्ताव स्वीकृति हेतु शासन को भेजी जाए। बैठक में राज्योत्सव के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई, इस हेतु अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व समय पर पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये गये। बैठक में जिला पंचायत के सीईओबजरंग दुबे, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, एएसपी ऋचा मिश्रा, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ व निकायों के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य केंद्र को दान में मिली 2 आधुनिक व्हील चेयर

भिलाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 में स्व राधेलाल तिवारी और स्व देवकी तिवारी मोरिद निवासी के पुत्र केशव नंदन तिवारी पदमुनगर भिलाई 3 ने नवीन आधुनिक दो नग व्हील चेयर दान की। बीईईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि अस्पताल में वयोवृद्ध मरीजों को गेट से अस्पताल परिसर लाने और घर तक लेकर छोड़ने में व्हील चेयर मददगार साबित होगी। इस आधुनिक व्हील चेयर पर में बुजुर्गों की सहूलियत को देखते हुए बेडपान लगाया गया है। सैय्यद असलम और अस्पताल प्रबंधन ने केशव नंदन तिवारी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए लोगों से मरीजों के आवश्यक जरूरतों सामान के दान करने का संकल्प लेने अपील की है। इस अवसर पर आरएमए प्रज्ञा कुशवाहा, डा अर्चना पांडेय और एल एच व्ही मती आर विश्वास सहित स्टाफमौजूद थे।

आवास योजना के अपात्र हितग्राहियों से दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार पीएम आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले की स्थायी प्रतीक्षा सूची, आवास प्लस की सूची व मुख्यमंत्री आवास योजना की सूची के ऐसे हितग्राहियों जो विभिन्न कारणों से अपात्र हैं तथा जिन्हें योजना के नियमानुसार लाभान्वित नहीं किया जा सकता उनकी सूची ग्राम सभा व जिला स्तरीय अपीलीय समिति से अनुमोदन कराने के पश्चात् विलोपित किया जाना है। दावा आपत्ति प्रस्तुत करने जिला पंचायत दुर्ग के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शाखा प्रथम तल एवं आवक-जावक शाखा में साधारण डाक, पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर अंतिम तिथि 31 अक्टूबर शाम 5.30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

कलेक्टर सिंह ने किया सहकारी समिति सिरसाखुर्द करंजा-भिलाई, कोड़िया और अहिवारा का निरीक्षण

एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन की ली जानकारी, दिये आवश्यक निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के किसानों के एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन हेतु सभी सेवा सहकारी समितियों में 24 से 26 अक्टूबर तक शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविर के प्रथम दिवस कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिरसाखुर्द, करंजा-भिलाई, कोड़िया और अहिवारा का आकस्मिक निरीक्षण किया।

उन्होंने शिविर में एग्रीस्टैक पर किसानों के पंजीयन और अब तक पंजीयन नहीं होने संबंधी कारणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने उक्त शिविर को गंभीरतापूर्वक नहीं लेने पर सीसीबी के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों और कम्प्यूटर ऑपरेटर को कड़ी फटकार भी लगाई। उन्होंने करंजा-भिलाई की पटवारी सुश्री अनिता साहू और सेवा सहकारी समिति अहिवारा के समिति प्रबंधक देवेन्द्र साहू को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

मोबाइल नंबरों पर पंजीयन की जानकारी उपलब्ध कराये

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने समितियों के निरीक्षण के दौरान कहा कि पंजीयन हेतु व्यक्तिगत जानकारी के अभाव में किसानों की सूचीबद्ध पंजी संधारित कर उनके मोबाइल नंबरों पर पंजीयन की जानकारी उपलब्ध कराये। साथ ही ऋण पुस्तिका, आधार नंबर एवं आधार से लिंकेड मोबाईल नंबर के साथ शिविर में उपस्थित होकर पंजीयन कराने प्रेरित किया जाए। शिविर स्थल पर पंजीयन हेतु थम्ब, आधार नंबर एवं लिंकेड मोबाईल नंबर की आवश्यकता संबंधी फ्लैक्स के माध्यम से सूचना प्रदर्शित की जाए। शिविर के दौरान फौती, नामांतरण, आधार में नाम त्रुटि, मृत्यु प्रमाण पत्र आदि की उपलब्धता अधिकारी अपने स्तर से सुनिश्चित कर कृषकों का पंजीयन कराये। राजस्व पटवारी फौती-नामांतरण नहीं कराने वालों किसानों को प्रेरित कर फौती-नामांतरण कराये ताकि किसान अपने नाम से धान का विक्रय कर सकें। इस अवसर पर एसडीएम दुर्ग नगर उत्तम ध्रुव, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, तहसीलदार प्रफुल्ल कुमार गुप्ता एवं सीसीबी के अधिकारी, समिति प्रबंधक और पंजीयन शिविर में पहुंचे कृषकबंधु उपस्थित थे।

कलेक्टर ने दिया एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन की आवश्यकता पर जोर

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने समितियों में कृषक पंजीयन प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर पंजीयन हेतु पहुंचे किसानों का रू-ब-रू चर्चा कर धान विक्रय हेतु एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन की आवश्यकता के संबंध में अवगत कराया। कलेक्टर को समिति प्रबंधकों ने अवगत कराया कि सेवा सहकारी समिति सिरसाखुर्द में 1196 पंजीकृत कृषक है। जिसमें 1090 का पंजीयन हो चुका है। व्यक्तिगत जानकारी के अभाव में 106 शेष है। सेवा समिति करंजा भिलाई में 1161 पंजीकृत किसानों में से 24 का पंजीयन होना शेष है। सेवा सहकारी समिति कोड़िया में पंजीकृत 2037 कृषकों में से 17 कृषकों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन होना शेष है।

पटवारी और समिति प्रबंधक को कारण बताओं नोटिस जारी

सेवा सहकारी समिति अहिवारा में पंजीकृत 1616 कृषकों में 1600 का पंजीयन हो चुका है, 16 किसान पंजीयन हेतु शेष है। यहां पर 152 कृषकों का व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है। इनसे जानकारी लेने व शिविर के माध्यम से पंजीयन कराने में उदासीनता बरतने पर कलेक्टर ने समिति प्रबंधक देवेन्द्र साहू को कारण बताओ नोटिस जारी करने सीसीबी के नोडल अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने उक्त सभी कृषकों से जानकारी लेकर पंजीयन कराने के निर्देश समिति प्रबंधक को दिये। मृत्यु प्रमाण पत्र होने के बावजूद भी मृत कृषक के फौती उठाने के कार्यवाही लंबित रखने पर करंजा भिलाई की पटवारी अनिता साहू को नोटिस जारी करने तहसीलदार को निर्देशित किया है।

बीएसएफकी पहल : आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का दूसरा जत्था कांकेर से मुम्बई रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 17 वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 24 अक्टूबर को जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ के अति दुर्गम एवम् नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से 20 आदिवासी युवा लड़के एवं लड़कियों के दूसरे जत्थे को नागपुर रेलवे स्टेशन से मुम्बई (महाराष्ट्र) के लिए रवाना किया गया। यह जत्था मुम्बई (महाराष्ट्र) में भारत के विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू होगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक-युवतियों के बीच मेल-मिलाप का अवसर मिलेगा, जिससे वे एक-दूसरे के खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं वेषभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में अन्य राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी जायेगी। साथ ही मुम्बई (महाराष्ट्र) के प्रसिद्ध, दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा।

यह 17 वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की अवधि 07 दिन है। छत्तीसगढ के कांकेर और नारायणपुर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बी0एस0एफ) के नक्सल प्रभावित इलाके से इस वर्ष कुल 25 भ्रमण कार्यक्रमों के अतंर्गत 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के 650 चयनित युवा भाग ले रहे है।

इस आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों में संवैधानिक अधिकारियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ संवाद सत्र, पैनल चर्चा, व्याख्यान सत्र, भाषण प्रतियोगिता, कैरियर संबंधी मार्गदर्शन, आदी के बारे में जानना शामिल है।

भोपाल में लेखक आचार्य मिश्र ने भेंट की अपनी किताब 'भारतीय ज्ञान परम्परा विविध आयाम'

आचार्य मिश्र की कृति में भारतीय शिक्षा, संस्कृति का समावेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय शिक्षा, संस्कृति और वैदिक परम्परा पर आधारित आचार्य प्रभु दयाल मिश्र की पुस्तक 'भारतीय ज्ञान परम्परा विविध आयाम' इन दिनों शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच विशेष लोकप्रिय है। अट्ठारह अध्याय और प्राय: पौने दो पृष्ठों की ये किताब, राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 पर केन्द्रित है। वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, कालिदास, तुलसीदास और स्वामी विवेकानंद के विचारों की पृष्ठभूमि पर पाठ्यक्रम की विषय वस्तु को रोचक, ज्ञानवर्धक और सरल भाषा में आचार्य मिश्र ने प्रस्तुत किया है। हाल ही में अपने भोपाल प्रवास के दौरान शिक्षाविद आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा को यह कृति भेंट की।

डॉ.शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में जब इस के आधार पर उन्होंने व्याख्यान दिये तो प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पुस्तक के लेखक आचार्य प्रभु दयाल मिश्र महर्षि अगस्त्य

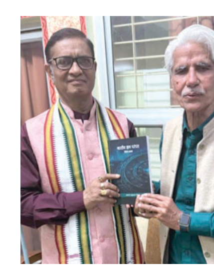

वैदिक संस्थान भोपाल के अध्यक्ष और तुलसी मानस प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश भोपाल की पत्रिका तुलसी मानस भारती के प्रधान संपादक हैं। लेखक ने भारतीय ज्ञान-विज्ञान परम्परा के साथ गूगल, विकिपीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) आदि सुलभ स्त्रोतों का भी यथास्थान उपयोग किया है। राम तिवारी, निदेशक, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ , संस्कृति विभाग, मप्र शासन ने भूमिका में बताया है कि असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर एवं मृत्यु से अमरता की ओर जाने को ही भारतीय ज्ञान परम्परा का सार माना गया है। वहीं सप्रे संग्रहालय भोपाल के संस्थापक - संयोजक पद्म विजय दत्त धर के अनुसार पुस्तक पाठकों को अस्मिता, अस्तित्व और आत्मबोध के अमृत सरोवर में अवगाहन करायेगी। आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने भी पठन-पाठन के पश्चात् उपर्युक्त विचारों से सहमति व्यक्त करते हुवे इसे प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के लिये विशेष उपयोगी बताया।

बीएसपी के रिटायर कर्मियों ने कहा- त्वरित गति से होता है सोसाइटी में कामकाज

■ बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने सितंबर माह के रिटायर कर्मियों को दी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने समारोह का आयोजन कर माह सितंबर 2025 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। स्वागत उपरांत सोसाइटी के अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, फल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने सम्मान के लिए आभार जताते हुए सोसाइटी से अपने लगाव को लेकर उद्गार व्यक्त किए।

प्लेट मिल से रिटायर शिवकुमार वर्मा ने बताया कि उन्होंने बीएसपी कर्मी रहे अपने पिताजी से इस सोसाइटी के बारे में सुना था, इसलिए सेवा में आते ही मैंने यहां की सदस्यता सबसे पहले ली। कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से रिटायर जगत राम रावटे ने बताया कि उन्होंने सिर्फएक ही सोसायटी सेक्टर 4 की सदस्यता ली और यही के लोन से अपना घर बना पाए है।

वायर रॉड मिल से रिटायर गेंद लाल ठाकुर ने कहा कि सोसाइटी की बदौलत उन्हें अपने निजी व पारिवारिक दायित्वों को पूरा करने किसी तरह की आर्थिक दिक्कतें नहीं आई। कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से रिटायर समीर राय चौधरी ने कहा- 36 साल की बीएसपी की सेवा में बहुत से उतार-चढ़ाव आए और ऐसे समय में सेक्टर-4 सोसाइटी ने ढाल बनकर हमें बचाया। पब्लिक हेल्थ एंड इंजीनियरिंग विभाग से रिटायर दलजीत सिंह थिंड ने कहा कि मात्र फोन करने से ही यहां काम हो जाता था।

इसी तरह अन्य रिटायर कर्मियों में रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से शरद चंद्र पात्रो, रिफ्रैक्टरीज मटेरियल प्लांट-2 से भूषण प्रसाद, राम अवध, प्लेट मिल से नारद कुमार वर्मा, ब्लास्ट फर्नेस से वरिंदर कुमार गोविंद, जनरल एस्टेब्लिशमेंट से अभिजीत मुखर्जी, मेडिकल से रीता सी बेहरा, प्रहलाद, विजय कुमार नागपुरे, सिंटर प्लांट-2 से दौलत राम भौर्या, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से राजेंद्र कुमार कौशिक, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से बृजेश चौधरी, भारत राम, मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शॉप-1 (मार्स) से कोमल सिंह, मटेरियल रिकवरी विभाग से राम प्रसाद और कैपिटल हैवी मेंटेनेंस-3 से हरिराम व अन्य ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इन रिटायर कर्मियों का कहना था कि आगे भी उनकी सदस्यता बरकरार रखी जाए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष असमां परवीन, अशोक राठौर, संचालक मंडल सदस्य विपिन बन्छोर, जानकी राव, सतानंद चंद्राकर, पुरुषोत्तम कंवर, वेद प्रकाश सूर्यवंशी और नितिशा साहू तथा सोसायटी के कर्मियों में मैनेजर सुदीप बनर्जी, पिजुष कर, नारायण साहू, सुरेश कुमार सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

राज्योत्सव संचालन हेतु कलेक्टर ने अफसरों को सौंपा दायित्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में जिला मुख्यालय दुर्ग में 2 से 4 नवंबर 2025 तक तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन पुराना गंज मंडी गंजपारा परिसर दुर्ग में किया जा रहा है। राज्योत्सव के सुचारू संचालन हेतु कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्य कार्यक्रम संचालन समिति का गठन किया गया है।

उपयुक्त समिति में जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे, अपर कलेक्टरयोगिता देवांगन एवं श्री वीरेंद्र सिंह शामिल है। अपर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह को संपूर्ण कार्यक्रम हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा अनुविभागीय अधिकारी हरवंश मिरी एवं दंडाधिकारी दुर्ग उत्तम ध्रुव को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा विभिन्न अधिकारियों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। जिसके अंतर्गत कलेक्टर से अनुमोदन प्राप्त कर आमंत्रण पत्र की छपाई एवं वितरण हेतु जिला पंचायत सीईओ दुबे, मंत्रीगण/सदस्यीय सचिव एवं गणमान्य अतिथियों को आमंत्रण पत्र वितरण हेतु अनुविभागीय अधिकारी हरवंश मिरी, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता और अतिरिक्त तहसीलदार मती क्षमा यदु को दायित्व दिया गया है। इसी क्रम में प्रतिदिन कार्य स्थल की साफ सफाई, डस्टबिन व्यवस्था तथा फूड स्टॉल आबंटन का दायित्व नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल को, मंच, स्टॉल, बैरिकेटिंग, सोफा, कुर्सी, माइक लाइटिंग आदि की संपूर्ण व्यवस्था का दायित्व लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, तांदुला जल संसाधन के कार्यपालिका अभियंता आशुतोष सारस्वत, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग के कार्यपालन अभियंता जेके मेश्राम और लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आरएल गायकवाड को दिया गया है।

सांस्कृतिक दलों कलाकारों का चयन, सांस्कृतिक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने एवं मंच की समस्त व्यवस्था का दायित्व नगर निगम रिसाली आयुक्त सु मोनिका वर्मा, डिप्टी कलेक्टर दुर्ग हितेश पिस्दा, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा और आदिवासी विकास विभाग दुर्ग के सहायक आयुक्त राजेश वास को, कार्यस्थल पर वाहन पार्किंग पहुंच एवं निगम स्थल पर यातायात व्यवस्था का दायित्व यातायात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सु ऋचा मिश्रा को अतिथियों हेतु शाल, फल एवं मोमेंटो की व्यवस्था का दायित्व क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एस.एल. लकड़ा को, स्थानीय कलाकार को रुकवाने एवं ठहरने की व्यवस्था का दायित्व खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त राजेश वास और सहायक आयुक्त आबकारी सीआर साहू को दिया गया है।

कार्यस्थल पर फर्स्ट एड किट एवं एंबुलेंस व्यवस्था का कार्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी और सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशीषन मिंज करेंगे। आवश्यकतानुसार फूलमाला, गुलदस्ता इत्यादि की व्यवस्था, मंच पर कलाकारों के सम्मान हेतु शाल, फल, मोमेंटो इत्यादि की व्यवस्था एवं महत्वपूर्ण अतिथियों तथा कलाकारों के सत्कार की व्यवस्था का दायित्व उपसंचालक कृषि संदीप कुमार भोई, खनिज अधिकारी दीपक मिश्रा, उप संचालक उद्यानिकी नारायण सिंह लहरे और तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता का होगा।

मंच संचालन हेतु उद्घोषकों की व्यवस्था जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, पानी टैंकर एवं पेयजल की व्यवस्था नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता उत्कर्ष पांडेय करेंगे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

इंदिरा संगीत विवि की छात्रा सृष्टि इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन में चयनित

कोरबा। इंदिरा संगीत कला विश्वविद्यालय खैरागढ़ की छात्रा सृष्टि शर्मा ने एक टीवी चैनल द्वारा प्रस्तुत इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 11 में छत्तीसगढ़ की म्यूजिकल टीम द रियल सिंफ्नी एंड एक्वायर (बैंड) द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई । सृष्टि शर्मा का चयन हुआ सेमीफाइनलिस्ट रही। सृष्टि ने छत्तीसगढ़ के 20 कलाकारों के साथ बैंड रियल सिम्फ्नी और क्वायर के साथ इंडिया गॉट टैलेंट सीजन 11के मंच पर सिंगर के रूप मेंअपनी प्रस्तुति दी । जिसमें गोल्डन बजर की प्राप्ति के साथ सेमीफाइनलिस्ट रही। जजों के द्वारा मंच पर गोल्डन बजर के साथ सेमी फाइनलिस्ट घोषित किया गया । सृष्टि शर्मा, श्री मनीष शर्मा एवं माता किरण शर्मा की बेटी है। सृष्टि के पिता साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा एरिया के मानिकपुर में इलेक्ट्रिकल फोरमैन इंचार्ज के पद पर कार्यरत हैं। सृष्टि शर्मा बचपन से ही संगीत में रुचि रखती हैं जिन्होंने डीएव्ही पब्लिक स्कूल एसईसीएल कोरबा से पढ़ाई की है। शुरू से ही संगीत में रुचि रखने वाली सृष्टि शर्मा बचपन में चैथी कक्षा में इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में भी भाग लेते आई हैं। वे कोरबा का रियलिटी शो कोरबा सिंगिंग स्टार में भी सेमी फाइनलिस्ट रही है। बताया गया कि दि रॉयल सिंफ्नी एंड क्वायर के बैंड में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग शहरों से कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, जगदलपुर एवं सारंगढ़ के लगभग 20 कलाकार हैं। जिन्होंने कई महानगरों में जैसे जयपुर, मुंबई, चंडीगढ़ आदि शहरों में भी अपनी प्रस्तुति दे चुकीं हैं।

प्रकृति और मानव के बीच के संबंध को छात्रों ने जाना

कोरबा। मानव जीवन के लिए प्रकृति कितना महत्व रखती है और उसकी क्या उपयोगिता है, यह बताने के लिए विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराने की परंपरा है। रानी लक्ष्मीबाई विद्यालय के नर्सरी से मिडिल तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के समूह की जिम्मेदारी ली। लक्ष्मीबाई विद्यालय और एके गुरूकुल के विद्यार्थी इसमें शामिल किए गए। उन्हें चकचकवा पहाड़ हनुमानगढ़ी कटघोरा और बहुउद्देशीय हसदेव बांगो बांध परियोजना का भ्रमण कराया गया। कोरबा जिले के ये दोनों क्षेत्र प्रकृति की उदारता से समृद्ध है। यहां पर बायोडायवर्सिटी के साथ-साथ जल तत्व की प्रधानता है। इसके जरिए एक बड़ी सहायता शोध छात्रों के साथ-साथ उन लोगों की हो पा रही है जो वनस्पति की उपस्थिति और उसकी महत्ता को जानने की जिज्ञासा रखते है। विद्यालय के संचालक अक्षय दुबे व उनके सहयोगी शिक्षकों ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्हें बताया गया कि प्रकृति के साथ जुडक़र मानव सह अस्तित्व को सीखता है और इसके जरिए आगे बढ़ता है। इसलिए हमें हमेशा प्रकृति का उपकार मानना चाहिए।

कलेक्टर ने युवाओं से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने किया प्रोत्साहित

कोण्डागांव। शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव सुबह 11 बजे एवं शासकीय महेश बघेल दंडकारण्य महाविद्यालय केशकाल में दोपहर 2 बजे शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोण्डागांव के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में स्टार्टअप छत्तीसगढ़ आइडियाथान 2025 कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने कार्यशाला में उपस्थित युवाओं से संवाद करते हुए उनके आइडिया और अभिनव विचारों को जाना और कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसके समाधान के आइडिया के साथ स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। उन्होंने 'छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन' को शासन की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए अधिक से अधिक युवाओं को पंजीयन हेतु प्रोत्साहित किया, जिससे उनके नवाचार को नया मंच मिल सके। इसके पश्चात् मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवेन्द्र मरावी, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर द्वारा विद्यार्थियों को स्टार्टअप एवं जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों के बीच नवाचार उद्यमिता और समावेशी भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं छत्तीसगढ़ आइडियाथान में छात्र छात्राओं को पंजीयन की प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। साथ ही अधिक से अधिक छात्रों को पंजीयन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

देशभर में आयोजित 17वें रोजगार मेले के तहत रायपुर में 95 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे रोजगार सृजन अभियान के तहत आज देशभर में 40 स्थानों पर एक साथ आयोजित 17वें रोजगार मेला के दौरान राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में 95 चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के सभागार में आयोजित किया गया, जिसकी मेजबानी छत्तीसगढ़ डाक मंडल ने की।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री (गृह एवं शहरी कार्य मंत्रालय) तोखन साहू ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में मोतीलाल साहू, विधायक रायपुर ग्रामीण, सुवेंदु स्वैन, मुख्य डाकपाल (छत्तीसगढ़ परिमंडल) तथा लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल, कार्यकारी निदेशक, एम्स रायपुर सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित रहे। रायपुर के इस रोजगार मेले में 7 केंद्रीय विभागों — डाक विभाग, गृह मंत्रालय (सीआरपीएफ), रेल मंत्रालय, एम्स रायपुर, वित्तीय सेवा विभाग/एसएलबीसी, भारतीय खाद्य निगम तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण — के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

इनमें से 54 उम्मीदवार छत्तीसगढ़ राज्य से तथा शेष अन्य राज्यों से हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के चयनित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह रोजगार मेला देश के युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से अब तक 11 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह 17वां रोजगार मेला देशभर में एक साथ आयोजित हुआ है, जिसके अंतर्गत आज 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री का विकास मॉडल और विकसित भारत 2047 की दिशा में एक ठोस कदम है।मंत्री साहू ने कहा कि युवाओं को रोजगार देना और अवसर सृजन करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा — रायपुर में आयोजित इस रोजगार मेले में आकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है, जहाँ हमारे युवा साथी अपनी कड़ी मेहनत के फलस्वरूप नियुक्ति पत्र प्राप्त कर रहे हैं। यह पल न केवल उनके लिए, बल्कि हम सबके लिए गर्व का क्षण है।

हमारी सरकार युवाओं को रोजगार देने और रोजगार सृजन के प्रति पूरी तरह समर्पित है। कार्यक्रम के दौरान चयनित युवाओं के चेहरों पर उत्साह और गर्व झलक रहा था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और इस पहल को अपने सपनों को साकार करने वाला क्षण बताया।

रायपुर एम्स का यह आयोजन न केवल युवाओं के सपनों को साकार करने का प्रतीक बना, बल्कि केंद्र सरकार के रोजगार सृजन अभियान की सफलता की एक और मजबूत मिसाल साबित हुआ।

जशपुर की जनजातीय संस्कृति ने जर्मन मेहमानों को किया मंत्रमुग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, बेमिसाल हस्तशिल्प और आत्मीय आतिथ्य ने जर्मनी से आए मेहमानों को गहराई से प्रभावित किया। बर्नहार्ड और फ्रांजिस्का ने क्षेत्रीय स्टार्टअप ट्रिप्पी हिल्स के अनुभवात्मक पर्यटन कार्यक्रम के तहत यहां के जनजातीय समुदायों के जीवन, कला और संस्कृति को करीब से महसूस किया।

यात्रा की शुरुआत हुई मलार समुदाय से, जो अपने सुंदर आभूषणों और हस्तनिर्मित उपयोगी वस्तुओं के लिए प्रसिद्ध है। बारीकी से बनाए गए ये शिल्प न केवल स्थानीय पहचान का प्रतीक हैं, बल्कि परंपरा और रचनात्मकता की गहराई को भी दर्शाते हैं। इसके बाद उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा जनजाति के जीवन शैली और रहन सहन खान पान को देखा, जहां प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीने की सीख हर पहलू में झलकती है।

यात्रा का एक विशेष पड़ाव रहा अगरिया समुदाय, जो आज भी पारंपरिक लौह गलाने की प्राचीन तकनीक को जीवित रखे हुए हैं। धधकते भट्टों और हाथ से चलने वाले औजारों के बीच इस शिल्प की झलक ने दोनों मेहमानों को अचंभित कर दिया। यात्रा का समापन हुआ जशपुर के स्थानीय

जनजातीय हाट बाजार में, जहां रंग-बिरंगे वस्त्र, मिट्टी की खुशबू और पारंपरिक संगीत ने जनजातीय जीवन की विविधता को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इस अनूठे सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सफल बनाने में कल्चर देवी और अनएक्सप्लोर्ड बस्तर की संयुक्त भूमिका रही।

उनके सहयोग से न केवल विदेशी मेहमानों ने जशपुर की आत्मा को महसूस किया, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी अपने हुनर और संस्कृति को साझा करने का अवसर मिला। यह यात्रा इस बात का सशक्त प्रमाण बनी कि जशपुर की संस्कृति केवल इतिहास नहीं, बल्कि एक जीवित, सांस लेती विरासत है, जो हर आगंतुक को अपने रंगों और आत्मीयता से बाँध लेती है।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन की तैयारी तेज समर्थन मूल्य घोषित, खरीदी 15 नवंबर से शुरू होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की सभी तैयारियाँ जिला प्रशासन बीजापुर की ओर से पूरी की जा रही हैं। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार इस वर्ष औसत अच्छी किस्म (एफ.ए.क्यू) के धान के लिए समर्थन मूल्य धान कॉमन ?2369 प्रति क्विंटल तथा धान ग्रेड-ए 2389 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

धान खरीदी की अवधि 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक रहेगी। इस दौरान किसानों से नगद व लिंकिंग व्यवस्था के तहत धान की खरीदी की जाएगी। प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की सीमा तय की गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि बायोमेट्रिक आधारित खरीदी प्रणाली के तहत आवश्यक तैयारियाँ गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी की जा रही हैं। साथ ही, पुराने जूट बारदानों की व्यवस्था पीडीएस एवं मिलर्स के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। मिलर्स के पास उपलब्ध बारदानों का भौतिक सत्यापन और सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि का कार्य भी प्रगति पर है। धान खरीदी केन्द्रों पर इस बार इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्रों के माध्यम से खरीदी की जाएगी।

समितियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि सभी तौल यंत्र कार्यशील स्थिति में हों। धान संग्रहण स्थलों का चयन इस प्रकार किया जा रहा है कि वे नीची भूमि या जलभराव वाले क्षेत्र न हों, ताकि आकस्मिक वर्षा की स्थिति में धान सुरक्षित रह सके। साथ ही सभी केन्द्रों पर पॉलीथीन कवर, सीमेंट ब्लॉक/फ्लाई ऐश ब्रिक्स और डनेज सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सभी उपार्जन केन्द्रों में आर्द्रतामापी यंत्र रखे जाने और खरीदी प्रारंभ होने से पहले उनका कैलीब्रेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन केन्द्रों पर पुराने यंत्र उपयोग योग्य नहीं हैं, वहाँ नए यंत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक केन्द्र की चेकलिस्ट के अनुसार समीक्षा की जा रही है। कम्प्यूटर, प्रिंटर, जनरेटर एवं यू.पी.एस. की कार्यशीलता की जांच कर ली गई है।

28 अक्टूबर 2025 तक नोडल अधिकारी केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे और 31 अक्टूबर 2025 तक डेटा एंट्री पूर्ण कर ली जाएगी, जिससे ट्रायल रन में तैयारियों की समीक्षा हो सके। इसके अलावा, सीमावर्ती जिलों में अन्य राज्यों से धान की अवैध आवक रोकने के लिए चेकिंग दल गठित किए जा रहे हैं।

इन दलों में राजस्व, खाद्य, मंडी, सहकारिता, वन एवं परिवहन विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। जिला प्रशासन बीजापुर ने बताया कि उपार्जन सीजन के लिए सभी तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य कर रहे हैं।

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने लखपति दीदी सरपंच एवं स्वच्छग्रही दीदीयों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जशपुर जिले में महिला सशक्तिकरण, ग्राम विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली लखपति दीदियों, सरपंच गणों एवं स्वच्छग्रही दीदियों का भव्य सम्मान समारोह और एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत जशपुर के सभाकक्ष में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सभी आठ विकासखंड से कुल 35 दीदियों को लखपति दीदी बनने की उपलब्धि पर सम्मानित किया गया।

उपस्थित लखपति दीदियों के साथ साथ , उत्कृष्ट कैडर , उत्कृष्ट बीसी सखी एवं अति उत्कृष्ट लखपति दीदियों ने अपने अनुभव और सफलता की कहानी का उद्बोधन किया । लखपति दीदियों में बबीता सिदार बीसी सखी पत्थलगांव, अनीता साहू एफएलसीआरपी कांसाबेल , बेबी गुप्ता बीसी सखी मनोरा एवं सुलेमा तिर्की पत्थलगांव से किराना एवं कटहल प्रसंस्करण में किए गए कार्यो की चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जशपुर अभिषेक कुमार ने की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि बिहान मिशन ने जशपुर जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में नई पहचान दी है। आज हमारी लखपति दीदियाँ न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव की

प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जशपुर जिले के लिए वर्ष 2024 से 2027 तक 30,877 लखपति दीदियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसमें से वर्ष 2024-25 की शुरुआत में ही 18,218 दीदियाँ एक लाख रुपये से अधिक की वार्षिक आमदनी प्राप्त कर चुकी हैं, जबकि 12,659 दीदियों का लक्ष्य वर्ष 2025ङ्क26 के लिए रखा गया है। अब तक 70,079 संभावित लखपति दीदियाँ चिन्हांकित की जा चुकी हैं। इन दीदियों को सीआईएफ, बैंक लोन तथा मुद्रा लोन के माध्यम से वित्तीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है। विशेष उल्लेखनीय है कि मुद्रा लोन की उपलब्धि में जशपुर जिला पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। वर्ष 2025ङ्क26 में 4,330 स्व-सहायता समूहों को लगभग 102 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि वर्ष 2024ङ्क25 में 5,000 समूहों को लगभग 125 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिले में पशुपालन,रेशम धागा उत्पादन, मत्स्य पालन, कृषि, उद्यानिकी ,किराना व्यवसाय, उद्यमिता प्रशिक्षण, सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण जैसी विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में जशप्योर ब्रांड ने जिले की पहचान पूरे प्रदेश और देश में बनाई है। यह ब्रांड पैकेजिंग और ब्रांडिंग के क्षेत्र में पूरे राज्य में सर्वश्रेष्ठ पाया गया है और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना रहा है। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के सक्रिय सरपंचों एवं स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कार्यरत स्वच्छग्रही दीदियों का भी सम्मान किया गया। इन दीदियों ने ग्राम स्तर पर स्वच्छता, जन-जागरूकता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली है। जशपुर की स्वच्छग्रही दीदियाँ इस सोच को घर-घर तक पहुँचा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान सीईओ जिला पंचायत के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन की विशेष सराहना की गई। साथ ही बिहान जिला दल, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बैंक प्रतिनिधियों को भी इस सामूहिक प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने लखपति दीदियों, सरपंचों और स्वच्छग्रही दीदियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, प्रेरणा और गर्व से ओतप्रोत रहा।

स्वास्थ्य मंत्री के गृह ग्राम की ऐतिहासिक उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई उपलब्धि दर्ज करते हुए सरगुजा संभाग का पहला ISO प्रमाणित कोल्ड चेन प्वाइंट बनने का गौरव मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां ने हासिल किया है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के गृह ग्राम खड़गवां में उनके सतत प्रयासों और दिशा-निर्देशों के परिणाम स्वरूप संभव हुई है। वहीं इस सफलता के पीछे सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के कुशल मार्गदर्शन और स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीम की निरंतर मेहनत का अहम योगदान रहा। कोल्ड चेन प्वाइंट खड़गवां को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकताओं के पूर्ण अनुपालन में पाया गया है, जिसके चलते इसे आईएसओ सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन, पारदर्शिता और दक्षता का प्रतीक माना जा रहा है। इस प्रमाणन के साथ खड़गवां सीएचसी ने टीकों और रसद के सुरक्षित, वैज्ञानिक और विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप भंडारण की नई मिसाल कायम की है। यहां सभी टीके सीएफसी मुक्त और डब्ल्यूएचओ प्रमाणित सीसीई तिथि वाले उपकरणों में अनुशंसित तापमान पर सुरक्षित रखे जाते हैं। आरआई टीकों और रसद की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने के लिए ईवीआईएन के माध्यम से ऑनलाइन वास्तविक समय में स्टॉक अपडेट किया जाता है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है। दिन में दो बार तापमान दर्ज कर टीकों की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जाती है, वहीं वेब-आधारित डेटा लॉगर प्रणाली से उच्चस्तरीय सतत निगरानी भी की जाती है। टीकों की आपूर्ति में एफआईएफओ और ईईएफओ दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है, जिससे शून्य अपव्यय सुनिश्चित हो रहा है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार व्हीव्हीएम आधारित आपूर्ति प्रणाली भी लागू की गई है।

एनआईटी रायपुर में 27 से 31 अक्टूबर तक मनाया जाएगा सतर्कता जागरूकता सप्ताह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। यह आयोजन केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इस वर्ष का विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी निर्धारित किया गया है, जो ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा संस्थान के प्रत्येक सदस्य में सामूहिक सतर्कता की भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश देता है। यह सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. प्रभात दीवान के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत 27 अक्टूबर को सतर्कता शपथ के साथ होगी, जिसमें एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार उन्मूलन तथा पारदर्शिता के संकल्प की शपथ दिलाएंगे। इसके उपरांत 28 अक्टूबर को पारदर्शी शासन के महत्व पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिमांशु जैन, मुख्य सतर्कता अधिकारी, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, बिलासपुर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा करेंगे। उसी दिन फैकल्टी सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जबकि 29 अक्टूबर को विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी, जिससे उन्हें सतर्कता और उत्तरदायित्व पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद 30 अक्टूबर को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सतर्कता से जुड़े सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। सप्ताह का समापन 31 अक्टूबर को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

रश्मिका मंदाना का मैजिक... पांच स्टार्स को दिलाई करियर की टॉप फिल्म, अब 'थामा' का धमाका

हॉरर यूनिवर्स की नई फिल्म 'थामा' आते ही धमाके करने लगी है। इस यूनिवर्स में ये 'स्त्री 2' के बाद, दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन चुकी है। दो ही दिन में नजर आने लगा है कि ये हिट होने जा रही है। फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना खुश होंगे कि पिछले पांच सालों में चार फ्लॉप और मात्र एक कामयाब फिल्म के बाद, फाइनली उनके हाथ एक बड़ी हिट लग सकती है। मगर 'थामा' की लीड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के लिए ये धमाकेदार बॉक्स ऑफिस कामयाबी, काम का बस एक और नॉर्मल दिन ही है। रश्मिका इस वक्त कामयाबी के किस मुकाम पर हैं इसे यूं समझिए? आयुष्मान के करियर में सबसे बड़ी ओपनिंग लेकर आई 'थामा', पिछले तीन साल में रश्मिका की सबसे छोटी ओपनिंग वाली बॉलीवुड फिल्म है! मगर रश्मिका की मौजूदा कामयाबी का सबूत एक और बहुत बड़ा फैक्ट है।

रश्मिका के साथ ने हीरोज को दिलाई ब्लॉकबस्टर सक्सेस

रश्मिका पर ये एक सवाल उठता रहा है कि उन्होंने कोई क्रिटिक्स का दिल जीतने वाली टाइप परफॉर्मेंस नहीं दी है। उनके सारे रोल हीरो की प्रेमिका-पत्नी वाले ही रहे हैं। हालांकि, इन शिकायतों के पीछे अक्सर मेनस्ट्रीम सिनेमा से पूर्वाग्रह भी एक वजह होता है। मगर इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि रोल चाहे जो भी हो, दर्शकों का ध्यान रश्मिका से नहीं हटता। और उनके करियर का एक बहुत बड़ा फैक्टर ये है कि पिछले पांच सालों में, उनके साथ ने एक-दो नहीं, पांच एक्टर्स को उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म दिलाई हैं।

अल्लू अर्जुन, दुलकर सलमान को रश्मिका के साथ मिली करियर की टॉप हिट

अल्लू अर्जुन पहले भी बड़े स्टार तो जरूर थे मगर केवल तेलुगू फिल्मों तक। 2021 में उनकी पहली पैन-इंडिया फिल्म 'पुष्पा' रिलीज हुई। फिल्म में अर्जुन के साथ रश्मिका लीड एक्ट्रेस थीं और श्रीवल्ली के रोल में दर्शकों का दिल जीत रही थीं। 'पुष्पा' 365 करोड़ वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ अल्लू अर्जुन के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बनी। इसका कलेक्शन अर्जुन की पिछली टॉप फिल्म से 100 करोड़ ज्यादा था।

2022 में मलयालम, तेलुगू, तमिल में काम कर चुके दुलकर सलमान ने अपनी पहली पैन इंडिया फिल्म की 'सीता रामम'। रश्मिका मंदाना इसमें दुलकर के अपोजिट तो नहीं थीं। मगर उनका महत्वपूर्ण बड़ा किरदार था। 98 करोड़ से ज्यादा वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ 'सीता रामम' दुलकर के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन गई।

2023 से अलग ही लेवल पर है रश्मिका का करियर

रणबीर कपूर को एक अरसे से दमदार एक्टर और बॉलीवुड का अगला पोटेंशियल सुपरस्टार माना जा रहा था। मगर इन दावों को सपोर्ट करने वाली बॉक्स ऑफिस कामयाबी उनके खाते से मिसिंग थी। संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी पैन इंडिया फिल्म 'एनिमल' में रणबीर को कास्ट किया और उनकी पत्नी का रोल दिया रश्मिका को। 2023 में आई 'एनिमल' आज बॉलीवुड की सबसे बड़ी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक है। 900 करोड़ से ज्यादा वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ।

2024 में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना एक बार फिर साथ आए 'पुष्पा 2' के लिए। चीन में रिलीज या री-रिलीज के बिना ही, ऑलमोस्ट 1900 करोड़ कलेक्शन के साथ, ये आज भारत की सबसे बड़ी फिल्म है। सिर्फअल्लू अर्जुन के करियर की ही नहीं!

रश्मिका के साथ ही रणबीर कपूर, विक्की कौशल बने सुपरस्टार

इस साल की शुरुआत में ही रश्मिका विक्की कौशल स्टारर 'छावा' की फीमेल लीड थीं। 800 करोड़ से ज्यादा वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ 'छावा' इस साल की सबसे बड़ी इंडियन फिल्म है। विक्की को शुरुआत से ही एक दमदार एक्टर माना जाता था मगर वो बॉक्स ऑफिस पर भी एक दिन ऐसी कामयाबी लेकर आएंगे ये शायद ही किसी ने सोचा होगा। मगर अब ये भी हो चुका है और जब ये हुआ तो विक्की के साथ रश्मिका मंदाना थीं।

आयुष्मान के साथ रश्मिका की फिल्म 'थामा' दिखा रही कमाल

अब आयुष्मान के साथ रश्मिका की फिल्म 'थामा' तीन दिन में 50 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी है। ये पहले ही हफ्ते में 90-100 करोड़ रुपये कमाने के लिए तैयार है। आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी फिल्म 2019 में आई 'ड्रीम गर्ल' है, जिसका नेट कलेक्शन 142 करोड़ रुपये था। लेकिन 'थामा' जिस तरह आगे बढ़ रही है उससे पूरा चांस है कि ये आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है। इस ऑब्जर्वेशन का मतलब ये नहीं है कि अल्लू अर्जुन, रणबीर कपूर, दुलकर सलमान, विक्की कौशल या आयुष्मान दमदार एक्टर्स नहीं थे। इसका ये भी मतलब नहीं है कि रश्मिका सिर्फ एक 'गुड लक' फैक्टर हैं। क्योंकि अभी 'थामा' में ही उनका काम तारीफें बटोर रहा है।

सिंगर सचिन सांघवी पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप

जाने माने सिंगर और म्यूजिक कंपोजर सचिन सांघवी (जो कि म्यूजिकल जोड़ी सचिन-जिगर का हिस्सा हैं) पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। जानकारी के मुताबिक, 29 साल की एक महिला ने उनके खिलाफशिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने सचिन को गिरफ्तार किया। हालांकि कुछ समय बाद सचिन को इस केस में जमानत मिल गई।

सचिन सांघवी के वकील आदित्य मिथे ने एक बयान में कहा, मेरे क्लाइंट के खिलाफदर्ज स्नड्डक्र में लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। इस आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। इस केस में कोई मैरिट नहीं है। पुलिस द्वारा मेरे क्लाइंट की जिस तरह गिरफ्तारी की गई, वो गैरकानूनी थी। इसी वजह से सचिन को तुरंत जमानत मिल गई। हम इन सभी आरोपों का पूरी तरह जवाब देंगे। इस पूरी कंट्रोवर्सी पर अभी तक सिंगर की तरफसे कोई रिएक्शन नहीं आया है। फैंस के बीच सचिन पर लगे आरोपों की वजह से हलचल मची है।

हिंदी मूवीज में दिए हिट गाने

सचिन-जिगर की सुपरहिट जोड़ी ने इंडस्ट्री को कई हिट गाने दिए हैं। उन्होंने फिल्म स्त्री, स्त्री 2, भेड़िया, मुंज्या, परम सुंदरी जैसे फिल्मों में म्यूजिक कंपोज किया है। आयष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट रिलीज थामा को उनका लेटेस्ट प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स मडॉक फिल्म्स के साथ सचिन-जिगर की साझेदारी ने कमाल किया है। दोनों हिंदी और गुजराती भाषाओं में म्यूजिक कंपोजिशन करते हैं। वे गुजरात से ताल्लुक रखते हैं। लेकिन मुंबई में सेटल हैं।

कैसे बनी सचिन-जिगर की जोड़ी?

सचिन-जिगर साथ में आने से पहले लंबे समय तक राजेश रोशन और प्रीतम के असिस्टेंट थे। एआर रहमान, अमित त्रिवेदी, अनु मलिक जैसे कंपोजर्स के साथ भी सचिन-जिगर ने काम किया है। अमित त्रिवेदी के जरिए सचिन और जिगर की मुलाकात हुई थी। उनका पोटेंशियल देखकर प्रीतम ने उन्हें सुझाया कि दोनों को मिलकर काम करना चाहिए। 2009 में उन्होंने बतौर कंपोजर साथ काम करना शुरू किया था। फिल्म लाइफपार्टनर के लिए उन्होंने गाना कंपोज किया था।

अजय देवगन की हिट फ्रेंचाइजी में परेश रावल को नहीं लगा दम इस वजह से ठुकरा दी फिल्म, बोले- कहानी शानदार लेकिन

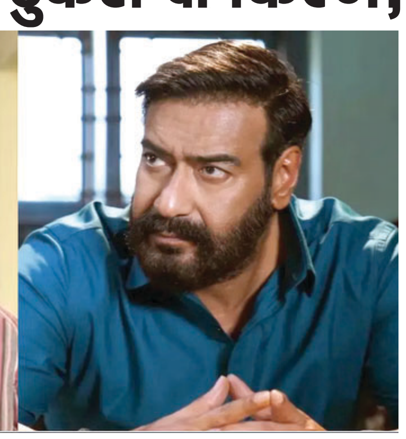

बॉलीवुड के सीनियर एक्टर परेश रावल ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' का हिस्सा बनने का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके पीछे की क्या है? चलिए आपको बताते हैं। रोल ने उन्हें उतना उत्साहित नहीं किया जितनी स्क्रिप्ट ने।

'बॉलीवुड हंगामा' के साथ एक इंटरव्यू में परेश रावल ने बताया कि 'दृश्यम 3' की कहानी उन्हें बेहद पसंद आई, लेकिन उनका रोल उनके मुताबिक नहीं था। उन्होंने कहा, 'मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था, लेकिन जो रोल ऑफर हुआ, उसमें मजा नहीं आया। स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी, मगर अगर किरदार से खुद को जोड़ न पाएं तो काम करने का आनंद नहीं आता।'

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी है 'दृश्यम' 3

'दृश्यम 3' में एक बार फिर अजय देवगन और श्रिया सरन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं, जबकि इसका निर्माण कुमार मंगत के बैनर तले हो रहा है। यह 2015 की सुपरहिट 'दृश्यम' और 2022 में रिलीज हुई 'दृश्यम 2' की अगली कड़ी है। गौरतलब है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' 2013 की मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है, जिसमें मोहनलाल मुख्य भूमिका में थे। दिलचस्प बात यह है कि 'दृश्यम 3' का मलयालम संस्करण भी एक साथ बनाया जा रहा है। मोहनलाल इन दिनों अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं हिंदी टीम की तैयारियां भी जोरों पर हैं।

रिलीज डेट को लेकर विवाद

हाल ही में 'दृश्यम 3' के टीजर रिलीज को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदी रीमेक के प्रोड्यूसर कुमार मंगत ने फिल्म की रिलीज डेट 2 अक्टूबर 2026 घोषित कर दी, जबकि मलयालम टीम - निर्देशक जीथू जोसेफऔर निर्माता एंटनी पेरुंबवूर - इससे नाराज हो गए। बताया जाता है कि दोनों टीमों के बीच एक समझौता है कि हिंदी टीम किसी भी घोषणा से पहले मूल मेकर्स की अनुमति लेगी। इस कारण फिल्म के टीज़र को फिलहाल टाल दिया गया है।

परेश रावल की आने वाली फिल्में

वहीं परेश रावल की आने वाली फिल्मों के बारे में बात करें तो वो हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना के साथ हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'थामा' में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया था और इसे दिनेश विजान और अमर कौशिक ने प्रोड्यूस किया। आने वाले महीनों में परेश कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं जिनमें 'हेरा फेरी 3', 'द ताज स्टोरी', 'भूत बंगला' और 'वेलकम टू द जंगल' शामिल हैं।

ऋतिक के साथ वर्षों बाद फिर दिखेंगे रजत बेदी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। इस बात को लेकर जब अभिनेता से पूछा गया तो उन्होंने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं। हाल ही में 'स्क्रीन' के साथ एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है।

चाहते हैं पतली कमर और हेल्दी स्किन? सुबह खाएं ये 5 चिया पुडिंग रेसिपी

चिया सीड्स फिटनेस फ्रीक लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर हैं। छोटे से दिखने वाले ये सीड्स फाइबर, प्रोटीन और ओमेगा-3 से भरपूर होते हैं। जब इन्हें भिगोकर चिया पुडिंग बनाया जाता है तो यह स्वाद और हेल्थ दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन बन जाता है। फ्लोरिडा के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और हेल्थ एक्सपर्ट डॉ। जोसेफसलहब ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर चिया पुडिंग ब्रेकफास्ट रेसिपी शेयर की हैं। ये रेसिपी दिखने में रिच और क्रीमी डेजर्ट जैसी लगती हैं लेकिन असल में ये गट हेल्थ और डाइजेशन के लिए काफी फायदेमंद हैं। तो आइए जानते हैं कि ये रेसिपी कौन-कौन सी हैं और इन्हें कैसे बनाया जा सकता है।

कोकोनट मैंगो चिया पुडिंग

कोकोनट मैंगो चिया पुडिंग को आप आसानी से नाश्ते में बना सकते हैं। अगर इसे आप दो लोगों के लिए बना रहे हैं तो ड्ट कप लाइट कोकोनट मिल्क, द कप ग्रीक योगर्ट, 4 चम्मच चिया सीड्स और 1 चम्मच कद्दूकस किया हुआ नारियल और ङ कप ताजा आम लें। इन सबको अच्छे से मिलाएं और रात भर फ्रिज में रख दें। अगले दिन इसे सर्व करें।

ब्लूबेरी चिया पुडिंग

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, यह मीठा और हल्का खट्टा ब्रेकफास्ट दो लोगों के लिए बनाने के लिए ड्ट कप ब्लूबेरी, ङ कप ग्रीक योगर्ट, 2 चम्मच मेपल सिरप और 3 चम्मच चिया सीड्स लें। अब ब्लूबेरी, योगर्ट, मेपल सिरप और वनीला को ब्लेंड करें। इसमें चिया सीड्स मिलाएं और रात भर फ्रिज में रखें। थोड़ा ऊपर से ब्लूबेरी या डार्क चॉकलेट डालकर सर्व करें।

माचा लाटे चिया पुडिंग

अगर आप माचा पसंद करते हैं तो यह क्रीमी और हल्का मीठा ब्रेकफास्ट जरूर ट्राई करें। इसके लिए 2 चम्मच माचा पाउडर, 1 कप ओट मिल्क (क्रिमी बनाने के लिए प्रोटीन ओट मिल्क), द कप चिया सीड्स, ड्ट चम्मच मेपल सिरप और थोड़ा सा रास्पबेरी और बादाम लें। अब ओट मिल्क में माचा पाउडर मिलाकर उसे अच्छे से स्मूद बना लें। अब इसमें चिया सीड्स और मेपल सिरप डालें और रात भर फ्रिज में रख दें और सुबह इसे सर्व करें।

रास्पबेरी चिया पुडिंग

दो लोगों के लिए रास्पबेरी चिया पुडिंग बनाने के लिए ड्ट कप रास्पबेरी, ड्ट कप दूध, द कप ग्रीक योगर्ट, 3 चम्मच चिया सीड्स, 1-2 चम्मच मेपल सिरप, 1 चम्मच नींबू का रस, आधा चम्मच वनीला। रास्पबेरी मैश करें और सबको एक साथ अच्छे से मिला लें। रात भर फ्रिज में रखें।

मैंगो चिया पुडिंग

अगर आप आम के शौकीन हैं तो यह ब्रेकफास्ट जरूर ट्राई करें। इसके लिए 1 बड़ा पका आम, ङ कप ग्रीक योगर्ट, 2 चम्मच मेपल सिरप, एक चुटकी नमक, आधा कप चिया सीड्स लें और सबको अच्छे से मिला लें। रात भर फ्रिज में रखें।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सुकमा जिले के सुदूर वनांचल ग्राम दुलेड कैम्प का किया निरीक्षण

शासन क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने एकदिवसीय प्रवास पर सुकमा जिले के सुदूर वनांचल ग्राम दुलेड पहुंचे। जहां उन्होंने सीआरपीएफ के कैम्प का निरीक्षण किया। उन्होंने कैम्प में जवानों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने जवानों को कठिन परिस्थितियों और मुश्किलों के बाद भी लाल आतंक को जड़ से उखाड़ने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह आप लोगों के साहस और संवेदनशीलता का ही परिणाम है कि आज राज्य के कई जिले अब नक्सल आतंक से मुक्त हो गए हैं।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने जनचौपाल लगाकर दुलेड के ग्रामीणों से सीधी चर्चा भी की। जहां उन्होंने कहा कि दुलेड में कैंप खुलने के बाद यहां आमूल चूल परिवर्तन आया है।

कई सालों तक नक्सलियों ने गांव तक बिजली, पेयजल, सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं को आने से रोका, शिक्षा का प्रकाश फैलाने वाले शिक्षादूतों को मारा लेकिन अब हमारे ग्राम तैयार हैं, हम सभी को मिलकर गांव के विकास के लिए कार्य करना है। सरकार भी क्षेत्र के सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध होकर लगातार कार्य कर रही है ताकि यहां के लोगों को अपने वन उत्पादों का उचित मूल्य एवं शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर ग्रामीणों ने बताया कि अब गांव में उन्हें असल विकास का अहसास हो रहा है। हमें सभी योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है।

ग्रामीण अब विकास की मुख्यधारा में जुड़ने के लिए अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग के सभी जिलों में सभी जनप्रतिनिधि आदिम समाज से ही संबंधित हैं और संविधान के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार यहां केवल आदिवासी वर्ग के लोग ही यहां जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और सौभाग्य से हमारे राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आज आदिवासी वर्ग के ही हैं। ऐसे में यदि कोई भोले भाले ग्रामीणों को बहकाकर हिंसा के मार्ग पर ले जाता है, शिक्षा कार्य करने वाले शिक्षादूतों की हत्या करता है, तो वह आपको मार्ग से भटकाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा वनांचल वासियों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रहीं है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों से आह्वाहन किया कि वे अपने गांवों के भटके युवाओं को मुख्यधारा में आने के लिए प्रोत्साहित करें। विगत दिनों दो दिन में 300 से अधिक लोग हथियार त्याग कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं, जिनका उनके ग्राम के गायता, पुजारी, पटेल द्वारा पारम्परिक रूप से स्वागत किया गया। शासन ने भी समर्पण करने वालों के लिए खुशी से अपनी बाहों को खोल रखा है और उनके पुनर्वास के लिए संवेदनशील पुनर्वास नीति भी तैयार की है।

उन्होंने सभी को बताया कि शासन की इलवद ग्राम योजना से अब नक्सल मुक्त ग्रामों के लिए एक करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा की गई है, इससे गांव में बारहमासी सड़कें, पेयजल, परिवहन आदि की व्यवस्था की जाएगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीण युवाओं को खेल उपकरणों का भी वितरण किया।

आदिवासी व अनुसूचित जाति छात्रावासों के लिए चिकित्सकों की आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, मंत्रालय रायपुर द्वारा जारी आदेश के तहत विभागीय छात्रावासों और आश्रमों में निवासरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से स्वस्थ तन स्वस्थ मन योजना वर्ष 2007 के प्रावधानों के अंतर्गत शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु निजी प्रेक्टिशनर चिकित्सकों (एमबीबीएस/ बीएएमएस) से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिले में संचालित ऐसे छात्रावास एवं आश्रम जहां नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां विद्यार्थियों के चिकित्सीय परीक्षण स्थानीय स्तर पर अनुबंध के आधार पर कराए जाएंगे। इच्छुक चिकित्सकों से आवेदन पत्र 31 अक्टूबर 2025 सायं 5:30 बजे तक सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरिया के नाम से पंजीकृत डाक या सीधे कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह अनुबंध शैक्षणिक सत्र 2025-26 अर्थात अप्रैल 2026 तक के लिए मान्य रहेगा। अनुबंधित चिकित्सक को प्रति भ्रमण 50 सीटर छात्रावास/आश्रम के लिए 750 रुपए तथा 100 सीटर छात्रावास/आश्रम के लिए 1200 रुपए का मानदेय प्रदान किया जाएगा।

चिकित्सक को माह में कम से कम दो बार छात्रावासों एवं आश्रमों में जाकर विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण करना होगा तथा स्वास्थ्य पंजी एवं हेल्थ कार्ड में परीक्षण का विवरण दर्ज करना होगा। प्रत्येक भ्रमण के बीच कम से कम 15 दिन का अंतराल अनिवार्य रखा गया है। विभागीय या विशेष परिस्थिति में अधीक्षक अथवा अधिकारी के निर्देश पर चिकित्सक को निर्धारित अवधि से पहले भी बुलाया जा सकता है। बालिकाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु महिला चिकित्सकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एग्रीस्टैक पोर्टल बनेगा किसानों की डिजिटल पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब सभी किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है।

सहायक आयुक्त सहकारिता ने बताया कि एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है, जो किसान पंजीयन से छूटे हों, वे शीघ्र ही अपना पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारतीय सरकार ने विकसित किया है। जिसका उद्देश्य किसानों के लिए एक संपूर्ण डेटाबेस बनाना है, जिसमें उनकी पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, ऋण, फसल की जानकारी और बीमा इतिहास के बारे में जानकारी शामिल है। एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराने से किसानों को धान खरीदी सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा।

एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसान आईडी बनवाने से किसानों को धान खरीदी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, किसान क्रेडिट कार्ड, उर्वरक अनुदान, प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि मशीनीकरण योजना एवं मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना जैसी अनेक केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त होगा। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने जिले के सभी किसानों से अपील की है, कि वे शीघ्रता से एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराएँ, ताकि किसी भी योजना का लाभ लेने में उन्हें कठिनाई न हो।

उन्होंने बताया कि किसान स्वयं मोबाइल ऐप से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। साथ ही, स्थानीय सीएससी सेंटर, सेवा सहकारी समिति एवं पटवारी कार्यालयों के माध्यम से भी नि:शुल्क पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही https//cgfr.agristack.gov.in/ पर भी पंजीयन किया जा सकता है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

एम्स और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में सिकलसेल की रोकथाम के लिए होगा डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत एम्स रायपुर और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से अनुसूचित क्षेत्रों में सिकलसेल बीमारी का स्क्रीनिंग कर उपचार करने के लिए पुख्ता उपाय किए जाएंगे। सिकलसेल के स्क्रीनिंग व उपचार के लिए वार्षिक कार्ययोजना पर विचार मंथन किया गया।

इसके लिए मितानिनों के सहयोग से डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग करने पर भी सहमति बनी। आदिम जाति, अनुसूचित जाति एव पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में सेंटर आफ कम्पीटेंस की स्थापना हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक मंत्रालय महानदी भवन में संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल बीमारी की रोकथाम, उपचार, काउंसलिंग, जनजागरण हेतु वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत राज्य में सिकलसेल बीमारी की रोकथाम के संबंध में भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में राज्य स्तरीय समिति गठित की गई है।

प्रमुख सचिव बोरा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सीओसी की स्थापना, संचालन एवं प्रबंधन के लिए क्रियान्वयन एजेंसी के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। इसी प्रकार निर्धारित एजेंसी द्वारा किये जाने वाले स्थापना कार्य की मॉनिटरिंग स्वास्थ्य विभाग द्वारा तथा सीओसी की स्थापना हेतु राशि का अंतरण आयुक्त सह संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं को किये जाने पर सहमति बनी।

समिति की बैठक में योजना-मिशन के क्रियान्वयन में योगदान देने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा विषय विशेषज्ञ (मैदानी स्तर) का चयन कर नामांकित कर प्रस्ताव विभाग को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। इसी तरह भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्थापना सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

राज्य स्तरीय समिति की बैठक में सचिव स्वास्थ्य सेवाएं श्री अमित कटारिया, आयुक्त आदिम जाति विकास डॉ. सारांश मित्तर, प्रोफेसर ई.महापात्रा, विभागाध्यक्ष एससीयू एम्स रायपुर, सिकलसेल प्रभाग के नोडल अधिकारी डॉ. अभ्युदय तिवारी, डॉ. मेनका चंद्राकर डिप्टी कमिश्नर, डॉ. अस्मिता बेहरा राज्य सलाहकार ब्लड बैंक रायपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने रजवार समाज के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सूरजपुर जिले के ग्राम करंजी में रजवार समाज द्वारा आयोजित सामाजिक उत्कृष्ट विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने समाज के उज्जवल भविष्य की नींव रखने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राजवाड़े ने कहा कि शिक्षा ही जीवन में प्रगति और सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम है। समाज की उन्नति तभी संभव है जब उसके बच्चे शिक्षित और संस्कारी बनें। उन्होंने कहा कि रजवार समाज द्वारा विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए किया जा रहा यह आयोजन न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास भी है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समाज के पदाधिकारियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि समाज और शासन के संयुक्त प्रयासों से ही राज्य के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे शिक्षा के साथ संस्कारों और सामाजिक मूल्यों को भी जीवन में अपनाएं।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, रजवार समाज के वरिष्ठजन, महिला समूह, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने पीएम सूर्य घर बिजली योजना की प्रगति का समीक्षा किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति के संबंध में विद्युत कंपनी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायत सीईओ की बैठक लेकर समीक्षा किया।

इस अवसर पर जिले के अधिकारीगण उपस्थित थे। उन्होंने जिले के निर्धारित 9000 लक्ष्य के विरुद्ध कम आवेदन एवं कम सोलर पैनल स्टॉलेशन होने नाराजगी व्यक्त करते हुए उसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शासन की महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ दिलाने विभागीय अधिकारी पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। इसके लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स, राइस मिलर, जनप्रतिनिधि, सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी और आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्तियों के निजी आवास में इस योजना का लेने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यपालन अभियंता विद्युत, समस्त सीएमओ, नगरपालिका, नगर पंचायत, सीईओ जनपद पंचायत को इसका व्यापक प्रचार कर प्रगति लाने के निर्देश निर्देश दिए। ब्लॉकों में अनुबंधित निजी कंपनियों की सूची एवं मोबाइल नंबर उपलब्ध कराएं। योजना के तहत उपभोक्ताओं को आकर्षक सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अनुदान प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को एक लाख 8 हजार रूपये का अनुदान सीधे उनके बैंक खाता में भुगतान किया जाता है। 1 किलोवाट रूफ टॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 60 हजार का लागत आएगा।

पशु शेड गौ पालक रामफल के लिए बना आमदनी का जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुविधा एवं साधन विहीन ऐसे हितग्राही जो जीवन में आगे बढ़ने की ललक रखते है उनके लिए सफलताओं का मार्ग भी प्रशस्त होता है। व्यवसाय करने के लिए शासकीय योजनाओं से जुड़कर सफलता के द्वार खुलते है और लक्ष्य की प्राप्ति तब और सूखद अनुभव में परिलक्षित होता है जब मन चाहा काम पूरा हो जाता है। ऐसी ही कहानी है कबीरधाम ज़िले के विकासखंड पंडरिया के ग्राम पंचायत चारभाठाखुर्द के हितग्राही श्री रामफल पिता श्री विश्राम की।

महात्मा गांधी नरेगा योजना में दैनिक मजदूरी से अपना जीवन-यापन करने वाले श्री रामफल का सपना छोटा सा व्यवसाय करने का था। गौ पालक बनकर आगे बढ़ने की इच्छा थी लेकिन संसाधनों की कमी आड़े आ रही थी। समस्याओं का समाधान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से निकला। जिसमें पशु शेड का निर्माण करने से व्यवसाय ने गति पकड़ी और बढ़ती आमदनी से जीवन आसान हो गया। पशु शेड बन जाने से गौ माता को सभी मौसमों में सुरक्षित रखने की सुविधा अलग से मिल गई।

पशु शेड नहीं होने से अनेकों परेशानियां थी जिसमें प्रमुख रूप से सभी मौसमों से पशुधन को बचाना। खुले में पशुधन रहने के कारण यहा वहां चले जाना, किचड़ एवं गंदगी के कारण गायों को होने वाली बिमारियां और साथ ही इस पर होने वाले खरचो की परेशानी बनी रहती थी। पशु शेड़ बनने के पहले शुरूआत में आमदनी कम हुआ करती थी और पशुधन के देखरेख में ज्यादा पैसे खर्च हो जाते थे। इन सभी समस्याओं का समाधान पशु पालन शेड निर्माण के रूप में स्थायी तौर पर हो गया।

पशुशेड निर्माण कार्य पर एक नजर

हितग्राही रामफल को अपने पंचायत से पता चला कि महात्मा गांधी नरेगा योजना की सहायता से उनके पशुधन के लिए पक्का शेड निशुल्क बनाया जा सकता है। फिर क्या था उनकी मांग एवं समस्याओं को देखकर ग्राम पंचायत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के द्वारा इसका हल निकाला। पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर पशु शेड निर्माण कार्य 68 हजार 500 रूपए राशि से स्वीकृत कराया गया। स्वीकृति पश्चात् माह अक्टुबर 2023 को पशु शेड निर्माण प्रारंभ किया गया। कार्य प्रारंभ होने पर ऐसा लगा जैसे व्यवसाय में आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया हो। देखते ही देखते लगभग एक माह के अल्प समय में निर्माण कार्य पूरा हो गया। पशु शेड निर्माण में स्वंय हितग्राही को 48 दिवस का रोजगार मिला साथ ही 12 मानव दिवस का रोजगार सृजन करते हुए अन्य परिवारो सहित सभी ग्रामीणों को मजदूरी के रूप में 7 हजार 500 रूपए प्राप्त हुए। पशुशेड का महत्व श्री रामफल बहुत अच्छे से जानते थे क्योंकि यही वह जगह है जो उनके व्यवसाय को समय के साथ आगे बढ़ाने में प्रमुख योगदान देकर आजिविका को आगे बढ़ाने का सपना सच होता दिख रहा है। पक्का एवं हवादार पशु शेड बन जाने से व्यवसाय में प्रगति हो रहीं है। 3 से 4 हजार रूपए प्रतिमाह की आमदनी दुध बेचकर होने लगा साथ मे घर के लिए भी दूध मिल रहा है। सारा व्यवसाय अपने घर से संचालित करने की खुशी अलग से।आजीविका के नए साधन बन जाने से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ रही है। आमदनी परिवार के बहुत काम आ रहा है। जिसमें छोटी सी 2 एकड़ के खेतीहर भूमि में उपयोग कर कृषक कार्य कर रहें और अलग से आमदनी का स्त्रोत बन रहा है। हितग्राही श्री रामफल अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पशुशेड बनाने के पूर्व अपने पशुओं को सुरक्षित रखने की बहुत चिंता रहती थी। खुले में पशुधन को बरसात के दिनों में पानी से बचाने एवं सर्दी के दिनों में ठण्ड से बचाना बड़ी समस्या था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पशुशेड नही बन पा रहा था। रोजगार गारंटी योजना से मेरी सभी चिन्ताएं दूर हो गई और अब पशुधन के सुरक्षा की चिन्ता नही रही। पशुधन से होने वाली आमदनी गौसेवा में लगा रहा हूं और साथ ही अपने व्यवसाय को आगे बढ़ने के लिए और अधिक गाय पालने में समर्थ हो गया हूं।

खास खबर

336 पौवा देशी शराब के साथ विक्रेता पकड़ाया

रायपुर। जिले की थाना डोंगरगांव पुलिस ने 336 पौवा देशी प्लेन शोले शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार किया है। आरोपी को सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना डोंगरगांव पुलिस ने ग्राम कुमर्दा, डामर प्लांट के सामने मोंगरा नहर पुलिया के पास से घेराबंदी कर पकड़ा है। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 23.10.2025 को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन पर एसडीआपी डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कृष्ण पाटले के नेतृत्व में थाना डोंगरगांव क्षेत्र में अवैध शराब ब्रिकी एवं परिवहन करने वाले के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य दिनांक 23.10.2025 को ग्राम कुमर्दा निवासी डिगेश्वर साहू नामक व्यक्ति डामर प्लांट के सामने मोंगरा नहर पुलिया ग्राम कुमर्दा के पास अवैध रूप से शराब बिक्री करने के लिये ग्राहक का इंजार कर रहा है कि सूचना मिलने पर थाना डोंगरगांव स्टाप एवं सायबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम बनाकर मौके घटना स्थल हेतु रवाना होकर मौके घटना स्थल पहूंच कर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। रेड़ कार्यवाही के दौरान आरोपी डिकेश्वर साहू पिता घनश्याम साहू, उम्र 33 साल, निवासी कुमर्दा, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगाव के पास से 336 पौवा देशी प्लेन शोले ब्रांड शराब कीमती 26880 रूपये एवं शराब बिक्री रकम 960 रूपये कुल जुमला कीमती 27840 रूपये को बरामद कर समक्ष गवाहान के जप्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर ज्युडिस्यल रिमांड भेजा गया जेल।

चाकूबाजी करने वाले बदमाश पकड़ाये

राजनांदगांव। जिले की डोंगरगढ़ थाना पुलिस ने अर्जुनी शराब भट्टी के बाहर चाकूबाजी करने वाले बदमाशो को गिरफ्तार किया है। वहीं ग्राम कोहका में मातर कार्यक्रम के दौरान विवाद कर मारपीट करने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक कृष्णा पाटले द्वारा अपने थाना क्षेत्र में अपने टीम के साथ लगातार गस्त पेट्रोलिंग कर अवैध गतिविधियों एवं असमाजिक तत्वों पर नजर रख रही है साथ ही क्षेत्र में डोंगरगांव पुलिस द्वारा मुहिम छेड़ दी है। प्रार्थी करण साहू पिता स्व. घनश्याम साहू उम्र 19 साल साकिन अर्जुनी थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव ने थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पर थाना डोंगरगांव में आरोपीगणों के विरूद्ध मारपीट करने व चाकु से मारकर चोट पहुंचाने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध किया गया कार्यवाही में आरोपीगण 1- सोहिल विश्वकर्मा पिता शिव विश्वकर्मा उम्र 20 साल साकिन रामपुर वार्ड नं. 14 थाना लालबाग जिला राजनांदगांव (छ.ग.), 2- छत्रपाल विश्वकर्मा उर्फ सोनू पिता बृजलाल विश्वकर्मा उर्म्र 25 साल साकिन रामपुर वार्ड नं. 05 थाना लालबाग जिला राजनांदगांव,हथियार को जप्त कर ज्युडिस्यल रिमांड भर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेश किया गया।

असामाजिक तत्वों पर पुलिस ने की कार्रवाई, दुर्ग में धारदार हथियारों के साथ पकड़ाए 16 आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में बढ़ती चाकूबाजी और असामाजिक गतिविधियों पर नकेल कसने पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 आरोपियों को धारदार हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25-27 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है। वहीं जिले में 22 असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है।

जानकारी के मुताबिक, बीते 24 घंटे के अंदर अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 16 चाकूबाज और असामाजिक तत्वों को पकड़ा गया है। थाना पद्मनाभपुर पुलिस ने पोटिया चौक से मोह. एजाज, सिविल लाइन दुर्ग से इम्तियाज अहमद खान, सुभाष नगर से मोहित ध्रुव और आदर्श नगर से संजय साहू को पकड़ा। सभी के पास से धारदार हथियार जब्त किए गए।

सुपेला पुलिस ने भी की कार्रवाई

थाना सुपेला पुलिस ने एक नाबालिग को स्लॉटर हाउस सुपेला सेस, टुनटुन चौहान को फरीद नगर मुरम खदान से और श्याम तांडी को गौतम नगर से गिरफ्तार किया। तीनों के पास से चाकू बरामद किए गए।

इसके अलावा थाना दुर्ग कोतवाली पुलिस ने निखिल तांडी को गंजपारा से, विजय ढीमर को नयापारा नदी रोड से और भूपेंद्र साहू को पंचशील नगर से गिरफ्तार किया। इनके पास भी बार-बार उपयोग किए जाने वाले धारदार हथियार मिले।

थाना भिलाई नगर पुलिस ने सोहेब खान को सेक्टर-6 पीएनटी कॉलोनी के पास से और नासिर कुरैशी को एलआईसी बिल्डिंग सेक्टर-6 से गिरफ्तार किया। वहीं थाना वैशाली नगर पुलिस ने आकाश दीप विश्वास को कैम्प-1 से और शाहबाज खान को घासीदास नगर जामुल से पकड़ा।

थाना नंदिनी नगर पुलिस ने प्रदीप को ग्राम अरसनारा से और पीयूष साहू को ग्राम असोगा गौठान के पास से गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के पास से पुलिस ने धारदार हथियार जब्त किए हैं।

पुलिस ने बताया कि जिले में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत पहले भी 6 आरोपियों को भी आर्म्स एक्ट में जेल भेजा गया था। अब तक कुल 22 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया गया है। इसके अलावा जिले के 22 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पुलिस ने बताया कि चाकूबाजी और असामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

घर घुसकर पड़ोसी ने 8 सोने के लॉकेट चुराए: सो रहा था परिवार, तभी वारदात को दिया अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिले में एक घर से सोने के लॉकेट और कुछ नगदी रुपयों की चोरी हुई है। घटना 15 मई 2025 की रात की है। 5 महीने बाद पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा है। आरोपी के पास से चोरी किए गए 50,000 रुपए मूल्य के 8 सोने के लॉकेट बरामद किए गए हैं। यह घटना फास्टरपुर-सेतगंगा थाना क्षेत्र के छुईहा गांव में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, कुल 63 हजार की चोरी हुई थी। चोरी करने वाला आरोपी पड़ोस का ही रहने वाला था। घर घुसकर उसने अलमारी का लॉकर तोड़ा था। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पीड़ित फुलचंद गेंदले ने 18 मई 2025 को फास्टरपुर-सेतगंगा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 15 मई 2025 की रात करीब 11 बजे वह अपने परिवार के साथ घर के आंगन में सो रहे थे। अगली सुबह 16 मई को करीब 6 बजे उठने पर उन्होंने देखा कि घर के अंदर रखी लकड़ी की अलमारी का लॉकर खुला हुआ था और सामान गायब था।

जांच करने पर पता चला कि अलमारी से 8 नग सोने के लॉकेट (वजन 11 मासा), 2 सेट सोने के टॉप्स (वजन 2 मासा), एक टेक्नो पावर 2 मोबाइल और 10,000 रुपए नगद चोरी हुए थे। चोरी हुए कुल सामान की कीमत लगभग 63,000 रुपए आंकी गई थी। अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध क्रमांक 20/2025 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। 23 अक्टूबर 2025 को छुईहा निवासी संदेही गंगाराम दिवाकर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। गहन पूछताछ में गंगाराम ने 15-16 मई 2025 की रात अपने पड़ोसी फुलचंद के घर में घुसकर अलमारी का लॉकर तोड़ने और 8 सोने के लॉकेट, 8,000 रुपये नगद तथा एक टेक्नो कंपनी का मोबाइल चोरी करने की बात स्वीकार की।

गिरफ्तार कर भेजा जेल

आरोपी ने बताया कि उसने नगदी रकम खर्च कर दी थी और मोबाइल तोड़कर गांव के तालाब में फेंक दिया था। सोने के लॉकेट उसने अपने घर में छिपा रखे थे।

आरोपी गंगाराम दिवाकर (24 साल) की निशानदेही पर उसके घर से 8 सोने के लॉकेट बरामद किए गए। पुलिस ने 23 अक्टूबर 2025 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

अवैध शराब के मामले में 17 व जुआ खेलने वाले 74 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला पुलिस द्वारा विगत 04 दिनों में अवैध शराब एवं जुआ एक्ट व असामाजिक तत्वों के विरूद्ध की कार्यवाही करते हुए 14 प्रकरणों में 17 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही गई है वहीं जुआ एक्ट के तहत 17 प्रकरणों में 74 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है।

बता दें कि जिले में अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों पर नकेल कसने व सुरक्षा/शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को आबकारी एक्ट एवं जुआ एक्ट व असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया है। जिस पर आज दिनांक 20.10.2025 से 23.10.2025 तक सायगर सेल एवं थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा 34 (2) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी के पास से 336 पौवा प्लेन शराब कीमती 26880 रूपये व ब्रिकी रकम 960 रूपये, सायबर सेल एवं थाना घुमका पुलिस द्वारा 34(2), 34(1) आबकारी एक्ट के 02 प्रकरण में 02 आरोपी के पास से 70 पौवा देशी प्लेन शराब कीमती 6000 रूपये एवं 18 पौवा अंग्रेजी शराब कीमती 2400 रूपये, नगदी रकम 300 रूपये व 36(च) आबकारी एक्ट 01 प्रकरण में 01 आरोपी, थाना बसंतपुर में 36(च) आबकारी एक्ट 04 प्रकरण 04 आरोपी, थाना छुरिया में 36(च) आबकारी एक्ट 03 प्रकरण में 06 आरोपी, थाना डोंगरगढ़ में 36(च) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी, पुलिस चौकी चिचोला में 34 (1) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण 01 आरोपी के पास से 20 पौवा अंग्रेजी शराब कीमती 2400रूपये एवं 36(च) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण 01 आरोपी।

इस प्रकार कुल आबकारी एक्ट के तहत 14 प्रकरणों में 17 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही। इसके अतिरिक्त जुआ एकट के तहत थाना बसंतपुर द्वारा 01 प्रकरण में 05 आरोपी गिरफ्तार व फ्ड से 24360/- रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त, थाना लालबाग द्वारा 04 प्रकरण में 18 आरोपी गिरफ्तार व फ्ड से 10520 रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त, थाना डोंगरगांव द्वारा 02 प्रकरण में 07 आरोपी गिरफ्तार व फ्ड से 2830 रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त कर वैधानिक कार्यवाही किया गया।

हत्या का प्रयास करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिले की लोरमी थाना पुलिस को ग्राम पेण्ड्री तालाब (टेकनपारा) में हत्या के नियत से एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से वार करने वाले आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकुनुमा हथियार, लोहे की रॉड एवं डण्डा जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया जुमनाबाई दिवाकर पति प्रीतम दिवाकर उम्र 45 साल निवासी टेकनपारा पेण्ड्रीतालाब थाना लोरमी जिला मुंगेली के द्वारा दिनांक 21.10.2025 को थाना लोरमी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 21.10.2025 को शाम करीबन 6-7 बजे आहत प्रीतम दिवाकर के घर के सामने मे बच्चे फ्टाका फोड़ रहे थे जहां से राजकुमार धृतलहरे अपने चाचा नील कुमार के साथ निकल रहे थे और बच्चों को रोड पर फ्टाका फोड़ने से मना किये जिस बात पर विवाद हुआ जो दोनो पक्षों में आपस मे सुलह हो गया। इस बात को राजकुमार ने अपने पिता दिलीप घृतलहरे को बताया इसके उपरांत पुरानी रंजीश के चलते आरोपी राजकुमार घृतलहरे, दिलीप कुमार घृतलहरे, नील कुमार घृतलहरे, देवकुमार घृतलहरे एवं विधि से संघर्षरत बालक एक राय होकर लोहा का रॉड, डण्डा से तथा एक चाकुनुमा हथियार लेकर जबरन प्रीतम दिवाकर के घर में घुस गये। जिसे प्रीतम दिवाकर द्वारा रोकने का प्रयास किया जिसे राजकुमार, दिलीप, नीलकुमार, देवकुमार एवं विधि से संघर्षरत बालक द्वारा एक राय होकर लगातार लोहे की रॉड व डण्डे से उसके सिर, पैर एवं हाथों में वार करने से पीड़ित प्रीतम लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गया। इसी वारदात में बीच बचाव करने के दौरान प्रार्थिया जमुना बाई, आहत ओमप्रकाश दिवाकर, उमेश दिवाकर, नरेन्द्र दिवाकर ने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो उन्हे भी आरोपियों द्वारा मारा गया है तथा मौके पर खड़े वाहनों को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त किया गया है कि रिपोर्ट पर धारा 296, 351 (2), 115 (2), 333, 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध करवाई जिसकी रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं बारिकी से जांच करने निर्देश दिया गया है। जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुंगेली नवनीत कौर छाबड़ा एवं उप पुलिस अधीक्षक लोरमी नवनीत पाटिल से मार्गदर्शन प्राप्त कर प्रकरण के विवेचना के दौरान आरोपियों द्वारा एक राय होकर जान से मारने की नियत से डण्डा, लोहे की रॉड एवं चाकूनुमा हथियार लेकर हमला करने पर विवेचना उपरांत प्रकरण मे धारा 191(2), 191(3), 190, 118(1), 324(5), 109 बीएनएस. जोडी गयी तथा आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर तथ्यात्मक पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा घटना कारित करना स्वीकार करने पर घटना में प्रयुक्त डण्डा, लोहे की रॉड एवं चाकुनुमा हथियार को जप्त कर आरोपियों 1.राजकुमार घृतलहरे पिता दिलीप घृतलहरे उम्र 23 वर्ष, 2.दिलीप कुमार घृतलहरे पिता मोहितराम घृतलहरे उम्र 42 वर्ष, 3.नीलकुमार घृतलहरे पिता मोहितराम उम्र 30 वर्ष, 4.देवकुमार घृतलहरे पिता दिलीप कुमार घृतलहरे उम्र 19 साल सभी साकिनान बांधा चौकी जूनापारा थाना तखतपुर जिला बिलासपुर को दिनांक 23.10.2025 के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

पुलिस ने किया नेवई भाटा सामुदायिक भवन में वैलनेस शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध आपरेशन विश्वास के तहत वैलनेस शिविर का आयोजन नेवई भाटा सामुदायिक भवन में किया गया। नेवई क्षेत्र से 35 बच्चों को प्रथम बैच में नशा मुक्ति वैलनेस शिविर का शुभारंभ किया गया। उपस्थित बच्चों को आर्ट ऑफ लिविंग के द्वारा योग, ध्यान, मेडिटेशन के बारे में सिखाया गया तथा नशे के दुष्प्रभाव के बारे जानकारी दी गई

दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान विश्वास के तहत आज दिनांक 24.10.2025 से 30.10.2025 तक थाना नेवई क्षेत्र में सामुदायिक भवन में चलाया जा रहा है नशा मुक्ति वैलनेस शिविर जो की दुर्ग पुलिस एवं आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से वैलनेस शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 35 बच्चों के द्वारा भागीदारी दिखाई गई जिसमें आर्ट ऑफ लिविंग से उपस्थित अमन बेल चंदन एवं उनके सहयोगी के द्वारा उपस्थित बच्चों को योग ध्यान एवं आपस में बच्चों को खेल भी खिलाया गया बच्चों द्वारा बहुत ही उत्साह के साथ इसमें भागीदारी की गई तथा बच्चे बहुत ही खुश नजर आए!

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमान विजय अग्रवाल दुर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर शहर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पदमश्री तंवर आईयूसीएडब्ल्यू ,उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम आई यू सी ए डब्लू, थाना प्रभारी नेवई एवं रक्षा टीम प्रभारी उप निरीक्षक संगीता मिश्रा एवं रक्षा टीम उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
महिला कल्याण संगठन
नियुक्ति
प्री-प्राइमरी शिक्षिकाओं की

क्र.: E/PB/R/SECRWWO/Misc/TT/2025
दिनांक: 17.10.2025
टाइनी टॉट स्कूल, WRS कॉलोनी, रायपुर (CG) में संविदा के आधार पर प्री-प्राइमरी शिक्षिकाओं के 02 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा प्रिंसिपल, टाइनी टॉट स्कूल, WRS कॉलोनी, रायपुर को किसी भी दिन (रविवार छोड़कर) सुबह **9:00** बजे से दोपहर **1:00** बजे तक जमा कर सकते हैं। (मोबाइल न. - 8962493038)
बायोडाटा जमा करने की अंतिम तिथि 03.11.2025 है।
आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएँ:
1. स्नातक (किसी भी विषय में) अनिवार्य है।
2. स्नातक के साथ प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ई.सी.एड) या शिक्षा स्नातक (बी.एड) होना आवश्यक है। **या**
स्नातक के साथ कला, शिल्प, नृत्य, संगीत, कहानी सुनाना, आउटडोर स्पोर्ट्स व खेल जैसी पाठ्येतर गतिविधियाँ होनी चाहिए।
सचिव
सेक्रो / रायपुर
PR/R/SR.DPO/FL/194
South East Central Railway @secrail

पीएम मोदी के प्रवास की तैयारियों का सीएम साय ने लिया जायजा, बोले-

प्रत्येक व्यवस्था हो गरिमामय और त्रुटिरहित

मुख्यमंत्री साय ने सभी तैयारियाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने अधिकारियों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी छत्तीसगढ़ प्रवास के मद्देनज़र मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर में विभिन्न कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ आगमन राज्य के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस दौरान प्रत्येक व्यवस्था उत्कृष्टता का प्रतीक बने और प्रदेश की संस्कृति, आत्मगौरव एवं प्रगति की झलक हर स्थल पर दृष्टिगोचर हो। मुख्यमंत्री साय ने सबसे पहले नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा, सभागार व्यवस्था, मंच और आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ध्यान केंद्र पहुँचे, जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने ध्यान केंद्र के सभागार, मेडिटेशन रूम एवं बाहरी परिसर का निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल का भी दौरा किया और तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य मंच, पार्किंग क्षेत्र, विभागीय डोम, प्रदर्शनी दीर्घा, वीआईपी दीर्घा और आमजन के लिए बनाए गए मार्गों का निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, संस्कृति और आत्मविश्वास का उत्सव है, इसलिए यह आयोजन उत्कृष्टता की नई मिसाल बने। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएँ और सुरक्षा, स्वच्छता तथा आमजन की सुविधा से जुड़े सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, सचिव राहुल भगत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

ट्राइबल म्यूज़ियम बनेगा जनजातीय अस्मिता का अमर प्रतीक

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय जनजातीय समाज की वीरता, बलिदान और अस्मिता का अमर प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संग्रहालय के प्रत्येक अनुभाग को इस प्रकार तैयार किया जाए कि वह आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली अध्याय से गहराई से परिचित करा सके। उन्होंने प्रदर्शनी दीर्घाओं, मल्टीमीडिया गैलरी, स्मृति कक्ष और बाहरी परिसर की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री साय की एक और घोषणा पर लगी मुहर

9 नए नर्सिंग कॉलेज भवनों के लिए मिली 78 करोड़ की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की एक और महत्वपूर्ण घोषणा को राज्य सरकार ने मूर्त रूप दे दिया है। राज्य बजट में शामिल 9 नवीन नर्सिंग महाविद्यालयों के भवन निर्माण कार्य के लिए 78 करोड़ 15 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा को नई दिशा देगा और स्वास्थ्य क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने में मदद करेगा।

प्रत्येक नर्सिंग महाविद्यालय के भवन निर्माण के लिए 8 करोड़ 68 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। ये नवीन नर्सिंग कॉलेज दंतेवाड़ा, बैकुंठपुर, बीजापुर, बलरामपुर, जशपुर, रायगढ़, धमतरी, जांजगीर-चांपा और नवा रायपुर (अटल नगर) में स्थापित किए जाएंगे। इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए द्वार खुलेंगे और राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता और सुदृढ़ होगी।

स्वास्थ्य शिक्षा को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य शिक्षा को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय लिया है। 9 नए नर्सिंग कॉलेजों के भवन निर्माण की स्वीकृति से प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा के साथ ही रोजगार और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। यह पहल छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं और मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने में मदद करेगी।

श्याम बिहारी जायसवाल,
स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

सेवा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है। 9 नए नर्सिंग कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए 78 करोड़ 15 लाख रुपए की स्वीकृति इस बात का प्रतीक है कि सरकार प्रदेश के युवाओं के लिए अवसर सृजन और सेवा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओपी चौधरी, वित्त मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

हर युवा को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा

हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश के हर युवा को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा मिले और हर जिले में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कुशल मानव संसाधन भी तैयार हो। 9 नए नर्सिंग कॉलेजों के भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदेश के स्वास्थ्य शिक्षा क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ेगी। यह पहल न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाएगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर भी बढ़ाएगी।

–विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन

जनजातीय स्वतंत्रता विद्रोहों पर बने भव्य स्मारक सह संग्रहालय जल्द लोगों के लिए होगा समर्पित

राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे देश के पहले डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर के आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विद्रोहों पर बन रहे स्मारक सह-संग्रहालय जल्द ही लोगों के लिए समर्पित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव के मौके पर देश के पहले डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निर्माणाधीन संग्रहालय स्थल का निरीक्षण कर लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार इस वर्ष छत्तीसगढ़ निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के रूप में मना रहा हैं। नवा रायपुर में बन रहे शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह-संग्रहालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण के दौरान मुख्य मंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आगंतुकों एवं पर्यटकों के हिसाब से संग्रहालय में आडियो-विडीयो विजुवल की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि आगंतुक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में भंलिभांति परिचित हो सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना का परिणाम है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक स्मारक सह-संग्रहालय धरातल पर दिखाई देगा। यह निर्माणाधीन संग्रहालय सदियों के लिए आने वाली नई पीढ़ियों को पुरखों का याद दिलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि सभी वर्गों सहित देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणाप्रद बनेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस जीवंत संग्रहालय के माध्यम से लोगों में बड़ी से बड़ी ताकतों के अन्याय, अत्याचार के खिलाफ विद्रोह करने का साहस पैदा होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि सोच का परिणाम है कि आज प्रदेश का पहला संग्रहालय है जो छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शौर्य गाथा एवं बलिदान को समर्पित है।

मुख्यमंत्री साय ने आगामी राज्योत्सव के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तावित उद्घाटन के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति की जानकारी ली।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को संग्रहालय में निर्माणाधीन 14 गैलरियों सहित झंडा सत्याग्रह, जंगल सत्याग्रह, जनजातीय संस्कृतियों पर बने गैलरियों आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान उनके साथ वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, रायपुर संभाग के कमिश्नर महादेव कावरे, आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त डॉ रवि मित्तल, कलेक्टर गौरव सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क से तैयार हो रहा है संग्रहालय

गौरतलब है कि यह स्मारक सह- संग्रहालय छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बारिकी के साथ अध्ययन व रिसर्च के बाद वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क के साथ तैयार किया रहा है। संग्रहालय देखने वाले आगंतुकों को आदिवासी विद्रोह का वर्णन स्टैच्यू के पास ही लगे डिजिटल बोर्ड पर उपलब्ध रहेगा। आगंतुक संग्रहालय में आदिवासी विद्रोह को जीवंत महसूस कर सकेगा। वहीं आगंतुक प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत प्रस्तुति के सामने स्कैनर से मोबाईल द्वारा स्कैन कर संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

16 गैलेरियों में तैयार हो रहा है संग्रहालय

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे – हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन 14 गैलेरियों में किया जा रहा है। वहीं जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह पर एक-एक गैलेरियों का भी निर्माण किया जा रहा है।

राज्यपाल ने दुगली में वनधन विकास केन्द्र का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज धमतरी जिले में ग्राम दुगली में वनधन विकास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला समूहों द्वारा एलोवेरा से बनाए जा रहे उत्पादों की प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग प्रक्रिया को निकट से देखा और उनकी सराहना की। राज्यपाल ने समूहों द्वारा तैयार अन्य उत्पादों का भी अवलोकन किया।

राज्यपाल डेका ने केंद्र में एलोवेरा जैल निर्माण, तिखुर प्रसंस्करण एवं दोना-पत्तल निर्माण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने परिसर में लगाई गई एलोवेरा और तिखुर की खेती का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कमार जनजाति के समाज प्रमुख, पर्यटन समिति के सदस्य और लखपति दीदियों से राज्यपाल ने आत्मीय संवाद किया। लखपति दीदी श्रीमती देवकुमारी साहू ने राज्यपाल को बताया कि वे बिहान योजना से जुड़कर सेंट्रिंग और दैनिक उपयोग की वस्तुओं का कार्य करती हैं, जिससे उन्हें गांव में ही रोजगार और स्थायी आमदनी मिल रही है। उन्होंने बताया कि बिहान से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आर्थिक सुधार हुआ है और अब वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा भी दिला पा रही हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, मुख्य वन संरक्षक श्रीमती सतोविशा समाजदार, धमतरी जिले के कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार, वनमण्डलाधिकारी एवं वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इको-टूरिज्म समिति के सदस्य माधव सिंह मरकाम ने राज्यपाल को बताया कि जबर्रा ग्राम की प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करने के लिए समिति गठित की गई है, जिससे देश-विदेश के पर्यटक यहां आकर्षित हो रहे हैं। समिति के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार प्राप्त हुआ है और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

नगरी विकासखंड के लीफ आर्टिस्ट विकास शांडिल्य ने पीपल के पत्ते पर उकेरी गई शेर की कलात्मक आकृति राज्यपाल डेका को भेंट की। राज्यपाल ने उनकी कला की प्रशंसा करते हुए आकृतियों के निर्माण में लगने वाले समय और उनकी कीमत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विकास को पत्ते पर और भी कलात्मक आकृति तैयार करने हेतु प्रोत्साहित किया एवं उनकी कृतियों को खरीदने की इच्छा भी व्यक्त की।

राज्यपाल डेका ने महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों के साथ आत्मीयतापूर्ण संवाद करते हुए समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उनके साथ स्मृति स्वरूप छायाचित्र भी लिए।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वास केंद्र में सुविधाओं की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने बीजापुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनर्वास केंद्र में रह रहे आत्मसमर्पित नक्सलियों की बुनियादी आवश्यकताओं का संवेदनशीलता के साथ ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि उनके दैनिक जरूरतों जैसे नाश्ता, भोजन, वस्त्र, खेलकूद की सामग्री, योगाभ्यास और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए साथ ही उनके लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन-प्रशासन के वरिष्ठ जनों से नियमित संवाद की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्वास केंद्र में रह रहे लोगों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुसार उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने आत्मसमर्पित नक्सलियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए परिजनों से मिलने की तिथि तय करने एवं यदि उनके परिवारजन किसी जेल में बंद हैं, तो उनसे मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। श्री शर्मा ने कहा कि सभी पुनर्वासित व्यक्तियों को कम से कम एक बार रायपुर भ्रमण (एक्सपोज़र विज़िट) पर ले जाया जाए, ताकि वे समाज और विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें। इसके साथ ही उन्होंने पुनर्वास केंद्र के प्रत्येक सदस्य को नि:शुल्क मोबाइल फोन उपलब्ध कराकर परिवार नियमित संपर्क बनाए रखने में सहयोग करने को कहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950